जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 82 दिनांक: 05-03-2022 शनिवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

UNHRC ने युद्ध अपराधों समेत मानवाधिकार उल्लंघनों की जांच के लिए एक आयोग के गठन पर रजामंदी जताई। परिषद के 32 सदस्यों ने इस संबंध में लाए गए प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया जबकि भारत और चीन समेत 13 ने वोटिंग से दूरी बनाए रखी।

भागलपुर में हुए बम विस्फोट की घटना में 14 लोगों की मौत हो गई। जबकि 10 लोग जख्मी हैं। एक साथ इतने लोगों के मारे जाने के बाद बरारी श्मशान घाट लाश से पट गया। सभी को दृश्य को देखकर शोक में थे।

यूरोप के सबसे बड़े परमाणु संयंत्र पर रूस का कब्जा, शहरों में भीषण लड़ाई, मीकोलईव में दाखिल हुई रूसी फौज

कीव । यूक्रेन में अपने सैन्य अभियान को आगे बढ़ाते हुए शुक्रवार को रूसी सेना ने यूरोप के सबसे बड़े परमाणु संयंत्र जपोरीजिया पर कब्जा कर लिया। हमले के दौरान हुई बमबारी से संयंत्र में आग लग गई जिससे पूरी दुनिया में सनसनी पैदा हो गई। आनन-फानन में अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आइएईए) और अन्य विशेषज्ञों ने रूस को खतरे से आगाह किया, तब यूक्रेनी अग्निशमन दल को आग बुझाने की अनुमति मिली। इससे पहले रूस ने यूक्रेन के चेर्नोबिल परमाणु संयंत्र पर कब्जा किया है।

अमेरिका ने परमाणु संयंत्रों पर हमला कर मानव जाति को खतरे में डालने के लिए रूस पर युद्ध अपराध का आरोप लगाया है। यूक्रेन को परमाणु हथियार न बनाने देने के रूस के एलान के परिप्रेक्ष्य में ही रूसी सेना के परमाणु संयंत्रों पर कब्जे के अभियान को देखा जा रहा है। खबर है कि रूसी सेना पांच लाख की आबादी वाले मीकोलईव शहर में प्रवेश कर गई है। मीकोलईव यूक्रेन के महानगरों में शुमार है और वहां पर पानी के जहाज बनते हैं। रूसी मीडिया का दावा है कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की देश छोड़कर पोलैंड चले गए हैं। लेकिन यूक्रेन सरकार ने इस दावे का खंडन किया है।

जपोरीजिया संयंत्र से जुड़े अधिकारियों ने बताया है कि आग ट्रेनिंग सेंटर में लगी थी जिसे मुख्य संयंत्र तक पहुंचने से पहले बुझा दिया गया। अगर आग रिएक्टरों तक पहुंच जाती तो यूक्रेन ही नहीं नजदीकी देशों में महाविनाश तय था। आग बुझने के बाद आइएईए ने चैन की सांस ली है और क्षेत्र में विकिरण को सामान्य स्तर पर करार दिया है। रूसी सेना ने शुक्रवार को यूक्रेन में अपने सैन्य अभियान को आगे बढ़ाते हुए यूरोप के सबसे बड़े परमाणु संयंत्र जपोरीजिया पर हमला किया। इस दौरान हुई बमबारी से संयंत्र में आग लग गई जिससे सनसनी फैल गई।

छह रिएक्टरों वाला यह यूरोप का सबसे बड़ा परमाणु संयंत्र है जिससे छह हजार मेगावाट बिजली का उत्पादन होता है। इस संयंत्र से यूक्रेन की जरूरत की 20 प्रतिशत बिजली की आपूर्ति होती है। इससे पहले रूसी सेना ने यूक्रेनी सुरक्षा बलों को परास्त कर संयंत्र के प्रशासनिक भवन और नियंत्रण भवन पर कब्जा कर लिया था। यहां की लड़ाई में यूक्रेन के तीन सैनिक मारे गए। रूस ने कहा है कि संयंत्र में आग यूक्रेन के कर्मियों ने लगाई थी जिसे बुझा लिया गया है। संयंत्र में कामकाज सामान्य तरीके से शुरू हो गया है। इसके अतिरिक्त यूक्रेन में तीन और परमाणु संयंत्र हैं जिनमें निश्चित सीमा तक यूरेनियम का संवर्द्धन कर बिजली का उत्पादन होता है।

इससे पहले रूसी सेना ने यूक्रेन के बंद पड़े चेर्नोबिल परमाणु संयंत्र पर कब्जा किया था। 1986 में इसके दुर्घटना का शिकार होने से तत्कालीन सोवियत देशों और यूरोप में भारी तबाही मची थी। इस संयंत्र में अभी भी रेडियोएक्टिव तत्वों का बड़ा भंडार मौजूद है। रूसी हवाई हमले में ओख्तिरकास का बिजलीघर तबाह होने की खबर है। रूसी सेना ने परमाणु संयंत्रों के अतिरिक्त बंदरगाह वाले शहरों पर भी कब्जे की कोशिश तेज कर दी है। इसी के तहत हाल में खेरसोन पर कब्जा किया गया है और मारीपोल पर भीषण हमले हो रहे हैं। इस बीच भीषण हमलों के साथ राजधानी कीव की ओर रूसी सेना का बढ़ना जारी है। दूसरे बड़े शहर खार्कीव और चार्निहीव में रूसी सेना के हमलों से तबाही जारी है। दोनों शहरों में बीते दो दिनों में 100 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। आठ दिन से जारी रूसी हमलों में यूक्रेन के हजारों लोग मारे गए और घायल हुए हैं।

दस लाख से ज्यादा लोग भागकर पड़ोसी देशों में पहुंचे हैं। रूस ने अपने देश में कई समाचार एजेंसियों और विदेशी न्यूज चैनलों पर रोक लगा दी है। साथ ही संसद ने प्रस्ताव पारित कर झूठी खबर प्रसारित करने पर 15 साल की सजा का प्रावधान कर दिया है। यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने युद्ध के दौरान रूसी सेना के 9,166 लोगों को मारने का बड़ा दावा किया है। ट्वीट कर बताया है कि 24 फरवरी से जारी इस युद्ध में अभी तक रूस के 939 हमला करने वाले सैन्य वाहन, हमले में योगदान देने वाले 404 अन्य वाहन, 251 टैंक, 105 तोपें, 60 ईंधन टैंकर, 50 राकेट लांचर, 33 लड़ाकू विमान, 37 अटैक हेलीकाप्टर, 18 एयर डिफेंस सिस्टम, तीन ड्रोन और दो स्पीड बोट नष्ट की गई हैं। इस प्रकार से यूक्रेन में रूस को सैन्य जान-माल का भारी नुकसान हुआ है। गुरुवार को यूक्रेन में रूसी सेना के मेजर जनरल की मौत हुई थी। पता चला है उनकी गोली लगने से मौत हुई थी।

रूसी मीडिया के अनुसार युद्धविराम की संभावना पर विचार के लिए शनिवार को रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधिमंडलों के बीच तीसरे दौर की वार्ता हो सकती है। दूसरे दौर की वार्ता गुरुवार को हुई थी और उसमें देसी-विदेशी नागरिकों को युद्धग्रस्त क्षेत्रों से निकलने के लिए सुरक्षित रास्ता देने पर सहमति बनी थी। कुछ अन्य बिंदुओं पर दोनों देशों की समान चिंताएं पाई गई हैं। उन्हीं सहमति वाले बिंदुओं पर फैसला लेने के लिए तीसरे दौर की वार्ता होगी।

यूक्रेन के हालात पर 5वीं उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता पीएम मोदी ने की

नई दिल्ली (ईएमएस)। यूक्रेन पर रूस के हमले से पैदा हुए विषम हालात और वहां फंसे भारतीयों को सुरक्षित निकालने को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ऑपरेशन गंगा के तहत जारी अभियान की प्रगति की समीक्षा के लिए पांचवीं उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पीके मिश्रा, कैबिनेट सचिव राजीव गौबा, विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला और विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। बैठक के दौरान, जयशंकर और श्रृंगला ने मोदी को निकासी मिशन की प्रगति के बारे में जानकारी दी और उन्हें बताया कि कीव में भारतीय दूतावास द्वारा जारी की गई प्रारंभिक सलाह के बाद से 18,000 से अधिक भारतीयों को वापस लाया गया है।

प्रधानमंत्री को भारतीयों की स्थिति के बारे में भी बताया गया, जो ज्यादातर रूसी सीमा के करीब ओडेसा और सूमी क्षेत्रों में फंसे हुए थे और उनकी सुरक्षित निकासी के संभावित तरीकों पर चर्चा की। सूमी रूसी सीमा के पास स्थित है और वहां मुठभेड़ जारी है। मोदी रविवार शाम से लगभग हर दिन बैठकों की अध्यक्षता कर रहे हैं और उत्तर प्रदेश में अपने चुनावी अभियान के बावजूद लोगों को निकालने पर चर्चा कर रहे हैं। ऑपरेशन गंगा की निगरानी के लिए चार केंद्रीय मंत्रियों के यूक्रेन के पड़ोसी देशों में जाने के तुरंत बाद निकासी प्रक्रिया में तेजी आई है।

शनिवार को 15 उड़ानों से देश आएंगे यूक्रेन में युद्ध में फंसे भारतीय

नई दिल्ली (ईएमएस)। यूक्रेन में युद्ध के कारण फंसे लोगों को वापस लाने के लिए शनिवार को शनिवार को 15 उड़ानें संचालित होंगी। इनमें भारतीय वायु सेना द्वारा संचालित चार उड़ानों के साथ ही 11 नागरिक उड़ानों का परिचालन किया जाएगा। मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी है।

बयान में कहा गया है कि शनिवार को 11 नागरिक उड़ानों से 2,200 से अधिक भारतीयों के वापस आने की उम्मीद है। इनमें उड़ानों में से 10 उड़ानें दिल्ली में और एक मुंबई में उतरेगी। बयान में यह नहीं बताया गया है कि भारतीय वायुसेना की चार उड़ानों से कितने भारतीय वापस आएंगे।

भारत यूक्रेन के पश्चिमी पड़ोसियों जैसे रोमानिया, हंगरी, स्लोवाकिया और पोलैंड से विशेष उड़ानों के जरिए अपने नागरिकों को निकाल रहा है। रूस के हमले के कारण यूक्रेन का हवाई क्षेत्र 24 फरवरी से ही बंद है।

भागलपुर में बम धमाके से 14 की मौत

भागलपुर/पटना (ईएमएस), 4 मार्च ~बिहार के भागलपुर में बम धमाके से ततारपुर का कजवलीचक इलाका वीरान हो गया है ! कई घर जमींदोज हो गए हैं । इस बम धमाके में अब तक 14 की मौत हो चुकी है ! मकान के मलबे से भारी मात्रा में बारूद भी बरामद किए गए हैं।सचमुच भागलपुर तातारपुर का जुबली छक्का इलाका बारूद के ढेर पर था। बता दें कि, इस इलाके के एक मकान में बीती रात जोरदार धमाका हुआ। जिसमें आस-पास के भी कई मकान जमीन में मिल गए । मलबे के अंदर दबे लोगों को लगातार बाहर निकालने का काम चलता रहा है। मरने वालों की संख्या 14 पहुंच गई है इस मामले की गूंज दिल्ली तक पहुंच चुकी है और पीएम मोदी ने सीएम नीतीश कुमार से भी फोन पर बात की।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर लिखा है कि, बिहार के भागलपुर में धमाके से हुई जनहानि की खबर पीड़ा देने वाली है !घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। वहीं घटना से जुड़े हालातों पर मुख्यमंत्री से भी उन्होंने बात की। बम धमाके को लेकर एसएसपी ने विशेष कार्रवाई करते हुए एसएचओ सुधांशु कुमार को निलंबित कर दिया है। सूबे के डीजीपी ए के सिंघल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी और बताया कि अवैध तरीके से इस थाना क्षेत्र के मकान में पटाखा बनाने का काम किया जा रहा था, परंतु इस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई थी। जिसे बड़ी लापरवाही मानते हुए थाना प्रभारी को सस्पेंड किया गया। बम धमाके को लेकर डीजीपी ने प्रेस वार्ता में मीडिया से बात करते हुए कहा कि जिस घर में विस्फोट हुआ वह पहले लीलावती देवी का था। जिसे बाद में मोहम्मद आजाद ने खरीद लिया। आजाद ने इस घर को लीलावती को ही किराए पर दिया।

बता दें कि, घटना में लीलावती के परिवार के पांच सदस्यों की मौत इस बम धमाके में हो गई,वहीं एसएफएल की टीम जांच के लिए घटनास्थल पर पहुंची। साथ ही साथ डॉग स्क्वायड की टीम भी घटनास्थल पर पहुंच कर जांच में जुटी रही ।अभी भी लगातार रेस्क्यू का कार्य चल रहा है,इस घटना को लेकर शहर के कई समाजसेवी राजनेता व संस्थान आगे बढ़ -चढ़कर हिस्सा लिया और मृतक व घायल के परिजनों को जल्द से जल्द प्रशासनिक सहायता दिलाने की बात कहीबम फटने से चार मकान पूरी तरह धराशायी हो गयाऔर आस-पास चारों ओर मलवे का अंबार लगा है।

इस बीच एसएसपी ने एफएसएल की टीम को लगातार जांच करने का निर्देश दिया है। एएङ्क बाबूराम ने बताया कि यहां कुछ लोग पटाखा बनाते हैं और उसी के दौरान यह हादसा हुआ है। जमींदोज हुए मकानों के मलबे को हटाने का काम लगातार चल रहा है और उसके इर्दगिर्द विस्फोटकों की बरामदगी के लिए डाग स्क्वाड को लगाया गया है। डीएम ने बताया कि राहत कार्य तेजी से चलाया जा रहा है और जवाहर लाल नेहरू अस्पताल में घायलों की इलाज के लिए डाक्टरों की टीम को अलर्ट मोड पर रखा गया है। पुलिस इस मामले में दो को हिरासत में लेकर उनसे पूछ-ताछ कर रही है।अस्पताल अधीक्षक असीम कुमार दास ने बताया कि घायलों की चिकित्सा के लिए असपताल में बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई है

बिना मंजूरी जांच नहीं कर पाएगी सीबीआई , मेघालय सरकार का फैसला

शिलांग (ईएमएस)। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित मेघालय केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की जांच के लिए आम सहमति वापस लेने वाला नौवां राज्य बन गया है। शीर्ष अधिकारियों ने संसद की समिति को इसकी जानकारी दी। इससे पहले मिजोरम और गैर-राजग शासित सात राज्यों-महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, झारखंड, छत्तीसगढ़ और केरल ने सीबीआई जांच के लिए आम सहमति वापस ले ली थी। मेघालय में सत्तारूढ़ गठबंधन में भाजपा साझेदार है, जहां नेशनल पीपुल्स पार्टी के नेता कोनराड संगमा मुख्यमंत्री हैं। इन आठ राज्यों में अनेक मामलों में जांच के लिए 150 अनुरोध लंबित हैं। अधिकारियों ने बताया कि इनमें बैंक धोखाधड़ी, जालसाजी और धन के गबन से संबंधित मामले शामिल हैं।

सीबीआई के निदेशक सुबोध जायसवाल और एजेंसी के अन्य शीर्ष अधिकारियों ने वरिष्ठ भाजपा नेता सुशील मोदी की अध्यक्षता वाली कार्मिक, लोक शिकायत, विधि व न्याय पर संसदीय स्थायी समिति के समक्ष अपना पक्ष रखा।

पीएम मोदी ने कहा, इस बार घोर परिवारवादियों, माफियावादियों को फिर हराना

मिर्जापुर (ईएमएस)। उत्तरप्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए राजनीतिक दलों के बीच चल रहा घमासान अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिर्जापुर में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए विपक्षी दलों पर जमकर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि छह चरणों में यूपी ने भाजपा और एनडीए के सुशासन के लिए भारी मतदान किया है। अब मिर्जापुर, भदोही और इस पूरे क्षेत्र की बारी है। घोर परिवारवादियों, माफियावादियों को फिर हराना है और जोरदार तरीके से हराना है।

इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन संकट का जिक्र कर कहा कि कोरोना में हमारे लाखों भारतीय पूरी दुनिया में फंसे हुए थे। भारत ने ऑपरेशन वंदे भारत चलाकर अपने एक-एक नागरिक को वापस आने में मदद की। अफगानिस्तान में हजारों भारतीय संकट में फंसे,तब हमने ऑपरेशन देवी शक्ति चलाकर अनेकों भारतीयों को वहां से सुरक्षित बाहर निकाला है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अभी यूक्रेन की स्थिति सारी दुनिया देख रही है। युद्ध में फंसे अपने एक-एक नागरिक, हमारे विद्यार्थियों को वापस लाने के लिए भारत दिन-रात जुटा हुआ है। ऑपरेशन गंगा चलाकर हम हजारों बच्चों को यूक्रेन से सुरक्षित ला चुके हैं। बता दें कि भारत सरकार ने यूक्रेन में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इसके साथ ही चार केंद्रीय मंत्रियों को भी यूक्रेन से सटे देशों में भेजा है।

उन्होंने कहा कि जो अभी भी वहां हैं, उन्हें लाने के लिए लगातार भारत के हवाई जहाज वहां से लगातार उड़ान भर रहे हैं। जिस अभियान के साथ मां गंगा का नाम जुड़ा है, मुझे विश्वास है कि वहां अभियान सफल होकर ही रहेगा। विपक्षियों पर प्रहार करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यूपी को लगातार ऐसा नेतृत्व चाहिए, जो राष्ट्रभक्ति की भावना से हमेशा भरा हुआ हो। उत्तर प्रदेश को लगातार ऐसा नेतृत्व चाहिए, जो ईमानदार हो। उत्तर प्रदेश को लगातार ऐसा नेतृत्व चाहिए, जो विकास के लिए दिन-रात मेहनत करना जानता हो। उन्होंने कहा कि मिर्जापुर और यूपी का विकास देश के विकास को गति देता है। भारत का सामर्थ्य और बढ़ाने के लिए मिर्जापुर और भदोही के लोगों का एक एक वोट भाजपा के पक्ष में पड़ना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि ये जो घोर परिवारवादी हैं, इनका इतिहास एक-एक पन्ना काली स्याही से रंगा हुआ है। इनका इतिहास हजारों-करोड़ के घोटालों का है, यूपी को लूटने का है। इनका इतिहास आतंकियों को छोड़ने का है, दंगाइयों को मदद करने का है।

रूस-यूक्रेन युद्ध पर यूएन में मतदान से भारत फिर रहा दूर, संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद ने की यूक्रेन पर रूसी हमले की निंदा

जेनेवा । रूस-युक्रेन युद्ध को लेकर शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र में मतदान से भारत एक बार फिर दूर रहा। भारत ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद कथित मानवाधिकार उल्लंघन और अपराधों की जांच के लिए तत्काल एक स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय आयोग गठित करने के प्रस्ताव पर मतदान में भाग नहीं लिया। 'रूसी आक्रमण के बाद यूक्रेन में उत्पन्न मानवाधिकार की स्थिति' से संबंधित प्रस्ताव पर मतदान में परिषद के 47 सदस्यों ने भाग लिया। 32 सदस्यों ने इसके पक्ष में मतदान किया और प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया गया। दो देशों-रूस और इरीट्रिया ने इसके खिलाफ वोट डाला। भारत, चीन, पाकिस्तान, सूडान और वेनेजुएला समेत 13 देश मतदान से गैरहाजिर रहे। जिन देशों ने प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया, उनमें अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, जापान, नेपाल और यूएई शामिल हैं। इस प्रस्ताव में यूक्रेन के खिलाफ रूसी आक्रामकता की कड़ी निंदा की गई है।

इस प्रस्ताव में मानवाधिकार का कथित उल्लंघन और दुरुपयोग तथा अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानूनों के उल्लंघन की जांच के लिए तत्काल स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय आयोग का गठन करने का फैसला किया गया है। मानवाधिकार आयोग द्वारा प्रस्ताव स्वीकार किए जाने से एक दिन पहले जेनेवा में मानवाधिकार आयोग के 49वें सत्र में भारत ने कहा था कि वह यूक्रेन में मानवाधिकार की स्थिति में तेजी से आ रही गिरावट पर चिंतित है।

समाचार एजेंसी आइएएनएस की रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने कहा है कि आतंकियों को संरक्षण और बढ़ावा देने के लिए पाकिस्तान को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। भारत ने अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न के मामलों में बढ़ोतरी को लेकर भी पाकिस्तान पर निशाना साधा है। संयुक्त राष्ट्र मिशन, जेनेवा में भारत की प्रथम सचिव सीमा पुजानी ने गुरुवार को मानवाधिकार परिषद की बैठक के दौरान कहा कि भारत में होने वाले आतंकी हमलों के पीछे पाकिस्तान में प्रशिक्षित आतंकियों का हाथ रहता है। उन्हें वहां समर्थन भी दिया जाता है। विश्व के अन्य हिस्सों में होने वाले आतंकी हमलों का सूत्र भी पाकिस्तानी आतंकियों से जुड़ा रहता है।

ताइवान पर चीन के हमले की आशंका, क्वाड बोला- नहीं करने देंगे यूक्रेन जैसा हाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेरिका, भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान देशों के समूह क्वाड ने यूक्रेन-रूस जंग के बीच कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र को यूक्रेन नहीं बनने दिया जाएगा। दरअसल, यूक्रेन की तर्ज पर ताइवान पर चीन के हमले की आशंका जताई जाने लगी है। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने कहा कि वर्चुअल बैठक में क्वाड के नेता इस बात पर सहमत हुए हैं कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में यूक्रेन की स्थिति का कोई फायदा नहीं उठा सके।

यूक्रेन पर रूस के हमले का जिक्र करते हुए किशिदा ने कहा, हम इस बात पर भी सहमत हुए हैं कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में यथास्थिति में एकतरफा बदलाव की अनुमति किसी को नहीं दी जानी चाहिए। यह कदम स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र की दिशा में महत्वपूर्ण है। हिंद-प्रशांत के लिए व्हाइट हाउस के समन्वयक कर्ट कैंपबेल ने सोमवार को कहा था कि यूक्रेन संकट के बावजूद अमेरिका भारत-प्रशांत क्षेत्र पर अपना ध्यान केंद्रित रखेगा।

इस वर्चुअल समिट में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन और जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा शआमिल हुए। बैठक में यूक्रेन मसले पर भी चर्चा की गई। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने बातचीत और कूटनीति के रास्ते पर लौटने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बातचीत के जरिए हर मुद्दे का समाधान किया जा सकता है। ऐसे में हमें हिंसा का रास्ता छोड़कर बातचीत और कूटनीति के जरिए संकट को खत्म करना चाहिए। बैठक में सितंबर 2021 में हुए क्वाड शिखर सम्मेलन में तय मुद्दों की समीक्षा की गई। इस दौरान चारों देशों के नेताओं ने इस साल के अंत में जापान में होने वाले शिखर सम्मेलन से पहले ठोस परिणाम प्राप्त करने के उद्देश्य से काम किया जाए और आपसी सहयोग में तेजी लाई जाए।

इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने जोर देते हुए कहा कि क्वाड को भारत-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा देने के अपने मूल उद्देश्य पर फोकस करना चाहिए। उन्होंने मानवीय और आपदा राहत, ऋण स्थिरता, आपूर्ति श्रृंखला, स्वच्छ ऊर्जा, कनेक्टिविटी और क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में सहयोग के ठोस और व्यावहारिक कदम उठाने की अपील की। बैठक के दौरान नेताओं ने अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की। इसमें दक्षिण पूर्व एशिया, हिंद महासागर क्षेत्र और प्रशांत द्वीप समूह की स्थिति पर चर्चा की गई। प्रधानमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र चार्टर, अंतर्राष्ट्रीय कानून और संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने के महत्व को दोहराया। नेताओं ने आपसी सहयोग बनाए रखने और जापान में आगामी नेताओं के शिखर सम्मेलन के लिए एक महत्वाकांक्षी एजेंडे की दिशा में काम करने पर हामी भरी।

क्वाड बैठक ने यूक्रेन संकट पर भारत-अमेरिका के बीच मतभेदों की अटकलों पर लगाया विराम

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन समेत क्वाड नेता यूक्रेन युद्ध के मद्देनजर नई मानवीय सहायता और आपदा राहत तंत्र बनाने पर राजी हो गए हैं, जिससे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण यह गठबंधन हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भविष्य की मानवीय चुनौतियों से निपटने और संवाद के लिए एक चैनल बना सकेगा। इन नेताओं ने यूक्रेन में बढ़ते संकट से निपटने पर भी चर्चा की।

यूक्रेन संकट के मुद्दे पर भारत और अमेरिका के बीच मतभेद होने की सभी अटकलों को खारिज करते हुए पीएम मोदी और बाइडन ने जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन के साथ यूक्रेन-रूस संकट पर संयुक्त बयान जारी किया। व्हाइट हाउस द्वारा जारी क्वाड नेताओं के संयुक्त बयान में कहा गया कि क्वाड नेताओं ने यूक्रेन में चल रहे संघर्ष और मानवीय संकट पर चर्चा की और इसके व्यापक असर का आकलन किया।

बयान के अनुसार, चारों नेता नई मानवीय सहायता और आपदा राहत तंत्र बनाने पर राजी हो गए, जिससे यूक्रेन में संकट से निपटते हुए क्वाड को हिंद-प्रशांत में भविष्य की मानवीय चुनौतियों से निपटने और संवाद के लिए चैनल मुहैया कराने में मदद मिलेगी।

माफिया के कब्जेवाली जमीन पर गरीबों के लिए मकान बना रहे : अमित शाह

गाजीपुर (ईएमएस)। केन्द्रीय गृह मंत्री और भाजपा के चाणक्य अमित शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश का चुनाव राज्य के पिछड़े और दलित समुदाय के लाखों लोगों का भविष्य सुरक्षित करने के लिए है। शाह ने अपने संबोधन में योगी सरकार की उपलब्धियां गिनाकर कहा कि उनकी पार्टी के फिर से सत्ता में आने पर होली और दिवाली पर मुफ्त गैस सिलेंडर दिए जाएंगे। शाह ने कहा, ठभाजपा ने देश में गरीबों के विकास के लिए काम किया है और उन्हें मुफ्त राशन, चिकित्सा सुविधाएं, आवास प्रदान किया है और यह सुनिश्चित किया है कि उनके घरों को बिजली मिले। उन्होंने कहा, हमारी सरकार ने सीधे किसानों के बैंक खातों में पैसा भेजा है, और हमने वादा किया है कि अगर भाजपा सत्ता में आती है,तब किसानों को अगले पांच साल तक बिजली का बिल भरने की आवश्यकता नहीं होगी।ठ

बाहुबली मुख्तार अंसारी और अतीक अहमद का जिक्र कर शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी के शासनकाल में उन्हें जेल भेजा गया है। शाह ने दावा किया, ठहम उस जमीन पर गरीबों के लिए आवास बना रहे हैं, जिस पर कभी पिछली सरकारों के दौरान माफियाओं का कब्जा था। उन्होंने समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधकर कहा अखिलेश एक आंख से केवल एक समुदाय को देखते हैं, जिसका हम हिस्सा नहीं हैं और दूसरी आंख से केवल एक ही जाति के लोगों को देखते हैं। शाह ने दावा किया कि भाजपा के शासन में राज्य में अपराध की घटनाओं में तेजी से कमी आई है। उन्होंने कहा, हमने नए राजमार्ग बनाकर संपर्क बढ़ाया है और सभी के विकास के लिए काम किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने मुफ्त कोरोना टीके उपलब्ध कराकर देश के लोगों को सुरक्षित किया है और उत्तर प्रदेश के 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन भी दिया है। उन्होंने जनता से भाजपा को जिताने की अपील की। गाजीपुर में सात मार्च को मतदान होगा।

ब्रिक्स के एनडीबी ने रूस में सभी लेनदेन पर लगाई रोक

बीजिंग (ईएमएस)। ब्रिक्स देशों के बने नव विकास बैंक (एनडीबी) ने यूक्रेन संकट के बीच पैदा हुई अनिश्चितताओं और पाबंदियों का हवाला देकर रूस में सभी नए लेनदेन पर रोक लगा दी है। एनडीबी ने इसकी जानकारी देकर कहा कि मौजूदा हालात को देखकर रूस में नए लेनदेन को रोक दिया गया है। एनडीबी ने अपने परिचालन में पुख्ता बैंकिंग सिद्धांतों के अनुसरण का जिक्र करते हुए यह कदम उठाया है। एनडीबी ने कहा, ठबैंक एक अंतरराष्ट्रीय संस्था के तौर पर उच्चतम अनुपालन मानकों के अनुरूप पूरी शिद्दत से अपना कारोबार करना जारी रखेगा।ठ

बैंक का गठन ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के समूह ब्रिक्स ने ढांचागत एवं टिकाऊ विकास परियोजनाओं के लिए धन जुटाने के मकसद से किया था। यह बैंक ब्रिक्स देशों के साथ अन्य उभरते विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए भी वित्त मुहैया कराता है। एक दिन पहले चीन स्थित एशियाई बुनियादी ढांचा निवेश बैंक (एआईआईबी) ने भी यूक्रेन संकट को देखते हुए रूस और उसके करीबी देश बेलारूस में अपनी सभी परियोजनाओं को रोकने की घोषणा की है। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर ऊर्जित पटेल एआईआईबी के उपाध्यक्ष (निवेश परिचालन) हैं जबकि इसके प्रमुख चीन के पूर्व वित्त मंत्री जिन लिकुन हैं। इसने रूस और बेलारूस में कई परियोजनाओं को वित्त मुहैया कराया हुआ है।

कार्टून कोना

स्वदेशी तकनीक से निर्मित रेलवे की 'कवच' प्रणाली का सफल परीक्षण

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव बोले- अन्य देशों को भी देगें तकनीकी

हैदराबाद (ईएमएस)। भारतीय रेलवे ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। स्वदेशी तकनीक से निर्मित ट्रेन टक्कर सुरक्षा प्रणाली 'कवच' बनकर तैयार है और अब रेलवे ने इसका इस्तेमाल भी करना शुरू कर दिया है। शुक्रवार को कवच का परीक्षण कर भारतीय रेलवे ने नया इतिहास रच दिया। इस स्वदेश निर्मित प्रणाली के तलते ट्रेनें आपस में टकराएंगी नहीं।

इस टेस्ट करने के लिए रेलवे ने दो शुक्रवार को दो ट्रेनों को 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से विपरीत दिशा में चलाया। लेकिन 'कवच' के कारण ये दोनों ट्रेन टकराई नहीं और अपने आप उनकी स्पीड धीमी होती गई। खुद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव हैदराबाद में 'कवच' के कामकाज के साक्षी बने। इस मौके पर उन्होंने कहा, ठकवच (स्वदेशी रूप से विकसित स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली) एसआईएल-4 प्रमाणित है जो सुरक्षा प्रमाणन का सबसे उच्चतम स्तर है।ठ रेल मंत्री ने कहा, ठभविष्य की योजना इसे बहुत तेजी से शुरू करने और अन्य देशों को भी निर्यात करने की है। इस साल हम इसे 2,000 किलोमीटर और आने वाले वर्षों में हर साल 4,000-5,000 किलोमीटर पर शुरू करेंगे।ठ रेलवे अधिकारियों के अनुसार ने कवच डिजिटल सिस्टम को रेड सिग्नल या फिर किसी अन्य खराबी जैसी कोई मैन्युअल गलती दिखाई देती है, तो ट्रेनें भी अपने आप रुक जाती हैं। इसलिए टक्कर की आशंका 0 फीसदी है। रेलवे का दावा है कि कवच दुनिया की सबसे सस्ती स्वचालित ट्रेन टक्कर सुरक्षा प्रणाली है।

इसे लगाने पर 50 लाख रुपये प्रति किलोमीटर का खर्चा आएगा। आपको बता दें कि वैश्विक स्तर पर इस तरह की सुरक्षा प्रणाली का खर्च प्रति किलोमीटर करीब दो करोड़ रुपये है। रेलवे के अनुसार सिकंदराबाद में देश में विकसित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली कवच का टेस्ट किया गया।

नारायण राणे और उनके बेटे नितेश राणे को गिरफ्तारी से 10 मार्च तक अंतरिम संरक्षण

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र की एक अदालत ने दिशा सालियान मामले में केन्द्रीय मंत्री नारायण राणे और उनके बेटे नितेश राणे को गिरफ्तारी से 10 मार्च तक अंतरिम संरक्षण प्रदान किया है।

दिशा सालियन ने आठ जून, 2020 को उपनगरीय मलाड स्थित एक बहुमंजिला इमारत से कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। इसके छह दिन बाद अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत (34) उपनगरीय बांद्रा स्थित अपने अपार्टमेंट में मृत मिले थे।नारायण राणे और उनके बेटे नितेश राणे पर दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व प्रबंधक दिशा सालियान के बारे में मानहानिकारक और भ्रामक बयान देने का आ

जन हितैषी

एशियाई देशों की भूमिका

रूस के खिलाफ लामबंद होते हुए बुधवार को संयुक्त राष्ट्र में अधिकतर देशों ने उससे यूक्रेन से बाहर निकलने की मांग की। रूस ने यह मांग तो नहीं मानी, बल्कि रूसी सेना ने यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर में बमबारी फिर शुरू कर दी है और इससे देश की राजधानी पर खतरा बढ़ गया है। रूस ने उसके प्रमुख रणनीतिक बंदरगाहों को भी घेर लिया है। सात दिन से जारी रूसी आक्रमण में 10 लाख से अधिक लोग यूक्रेन छोड़ चुके हैं, जिससे यूरोपीय महाद्वीप में शरणार्थी संकट बढ़ गया है। यूरोपीय देशों के बीच क्या चल रहा है, यह सभी को दिखाई दे रहा है, लेकिन रूस और यूक्रेन के बीच जंग में एशियाई देशों की भूमिका पर भी पूरी दुनिया की नजर है। भारत, चीन और यूएई भले ही खुलकर अमेरिका और अन्य देशों के साथ न आए हों, मगर यूक्रेन पर रूसी हमले के मुद्दे पर एशियाई देशों में बड़ा विभाजन देखने को मिला है। जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान, सिंगापुर आदि जैसे देशों ने यूक्रेन पर हमला करने के लिए रूस की कड़ी निंदा की है। जापान ने रूस के खिलाफ प्रतिबंध भी लगाए हैं। लेकिन चीन, भारत, आसियान, पाकिस्तान, और यूईए जैसे देशों ने रूस की निंदा करने से इनकार कर दिया है। दक्षिण-पूर्व देशों के संघ आसियान में दस देश शामिल हैं। आसियान की तरफ से जारी बयान में यूक्रेन की प्रादेशिक अखंडता का समर्थन किया गया, लेकिन रूस की निंदा नहीं की गई। आसियान के सदस्यों में से सिर्फ सिंगापुर ऐसा देश है, जिसने अपने अलग बयान में रूस की निंदा की है। विश्लेषकों का कहना है कि ज्यादातर एशियाई देशों ने रूस से अपने पुराने संबंधों और अपने हितों का ख्याल करते हुए इस मामले में रुख तय किया है। जापान और दक्षिण कोरिया हमेशा से अमेरिकी खेमे के देश माने जाते हैं। स्वाभाविक रूप से उन्होंने इस मामले में सख्त तेवर दिखाए हैं। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने एलान किया है कि उनका देश रूस के सेंट्रल बैंक से लेन-देन को सीमित कर देगा। साथ ही जापान ने अंतरराष्ट्रीय भुगतान के नेटवर्क-स्विफ्ट से रूस को निकालने का समर्थन किया है। दक्षिण कोरिया ने एक करोड़ डॉलर की मानवीय मदद यूक्रेन भेजने की घोषणा की है। इसके पहले दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि व्यापार, उद्योग और ऊर्जा क्षेत्र में रूसी निर्यातों को नियंत्रित करने के कदम उठाए जाएंगे। रूस को इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर की सप्लाई भी रोक दी जाएगी। दक्षिण कोरिया ने भी रूस को स्विफ्ट सिस्टम से निकालने का समर्थन किया है। ताइवान हालांकि स्वतंत्र देश नहीं है, लेकिन वहां की मौजूदा सरकार ने रूस के खिलाफ उठाए जा रहे तमाम कड़े कदमों को समर्थन किया है। ताइवान के रुख को इसलिए महत्वपूर्ण समझा जा रहा है, क्योंकि वह चिप और सुपरकंडक्टर का सबसे बड़ा निर्माता है। इन उत्पादों का निर्यात रोक देने के कारण रूस के उद्योग जगत को भारी नुकसान पहुंचेगा। ताइवान ने यूक्रेन के लिए 27 टन मेडिकल सहायता भेजने की घोषणा भी की है। दक्षिण-पूर्व एशिया में सिंगापुर अकेला देश है, जिसने रूस के खिलाफ कड़े शब्दों का इस्तेमाल किया है। रूस के लिए सबसे बड़ी राहत की बात भारत और चीन का रुख रहा है। ये दोनों बड़े देश हैं, जिनकी बात दुनिया भर में सुनी जाती है। चीन तो खुल कर इस मामले में रूस का समर्थन कर रहा है।

अमेरिका पर 100 सुनार की, रूस की 1 लुहार की चोट भारी पड़ी

- 30 वर्ष अमेरिकन दादागिरी के खिलाफ रूस की आर-पार की लड़ाई

द्वितिय विश्व युध्द के बाद अमेरिका और रूस दो महाशक्ति के रूप में उभरे थे। 1982 में राष्ट्रपति ब्रजनोव की मृत्यु के बाद सोवियत संघ अर्थ-व्यवस्था एवं राजनैतिक दृष्टि से कमजोर हो गया था। उस समय अमेरिका ने रूस को कमजोर करने के लिए काफी पैतरे आजमाए थे। फलस्वरूप 1991 में सोवियत संघ विघटित हो गया। सोवियत संघ से जुड़े कई राज्यों ने अपने-आपको स्वतंत्र घोषित कर सोवियत रूस का अस्तित्व समाप्त कर दिया था।

ठीक 30 वर्ष बाद अमेरिका और नाटो देशों ने मिलकर रूस को चुनौती देने के लिए सीमावर्ती देशों में अपनी घुसपैठ बढ़ा दी थी। रूस को अपने पड़ोसी देशों से लगातार चुनौती मिल रही थी। अमेरिका सोवियत संघ से अलग हुए हिस्सों में अपना प्रभाव बढ़ाता ही जा रहा था। जिसके कारण रूस के राष्ट्रपति पुतिन पिछले कई वर्षों से अमेरिका को इस क्षेत्र में घुसपैठ करने से रोक रहे थे।

राष्ट्रपति पुतिन ने अपने शासन काल में रूस को काफी मजबूत स्थिति में लाकर खड़ा कर लिया है। तकनीकी और आधुनिक शस्त्रों तथा परमाणु हथियारों पर रूस की आत्मनिर्भरता और अमेरिका के रक्षा व्यवस्था में जो चुनौतियां मिल रही थी, उसको खत्म करने के लिए अमेरिका एवं नाटो संगठन रूस की सीमा के आसपास लगातार अस्थिरता पैदा कर रूस को चुनौती देने का काम कर रहे थे।

वैश्विक संधि के बाद पिछले 30 वर्षों में सारी दुनिया के देशों के बीच व्यापारिक संबंध बने हैं। आना-जाना आसान हुआ है। इंटरनेट, ऑनलाइन कारोबार, डिजिटल तकनीकी का लाभ सारी दुनिया के कोने-कोने तक पहुंच गया है। इस बदलाव के कारण आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक सोच बदली है। इसी का फायदा उठाते हुए अमेरिका और चीन अपना वर्चस्व बढ़ाने के लिए पिछले एक दर्शक से हर संभव प्रयास कर रहे हैं। रूस और चीन के बीच राजनायिक संबंध बेहतर है। रूस को अमेरिका से मिल रही चुनौती के बीच चीन ने रूस के साथ अपने रिस्ते और बेहतर बनाये। वहीं अमेरिका नाटो संगठन के माध्यम से राष्ट्रपति पुतिन एवं रूस के लिए सिरदर्द बने हुए थे। रूस के पड़ोसी देशों को हथियारों की सप्लाई कर रूस को चुनौती देने की जो रणनीति अमेरिका ने अपनाई थी। उस का जवाब देते हुए रूस के राष्ट्रपति पुतिन एक बार फिर ताकत का अहसास कराते हुए सोवियत संघ से जुड़े देशों को अमेरिका के प्रभाव से बाहर लाने के लिए आर-पार की लड़ाई लड़ रहे है।

यूक्रेन एवं रूस की लड़ाई इसी का परिणाम है। यूरोपीयन मीडिया इस लड़ाई से रूस को कमजोर बनाकर हतोसाहित कर रहा था। पिछले कई माहों में रूस पर प्रतिबंध लगाकर पुतिन को धमकाने का प्रयास कर रहे थे। रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने सौ-सुनार की और एक लुहार की तर्ज पर इस लड़ाई को अंजाम पर पहुंचा दिया है। पुतिन के इस रूख से यूरोपीय देश एवं संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी संस्थायें रूस के हमलों और आक्रमक रूख से हैरान है। वैश्विक स्तर पर जो घटनाचक्र बना है। उसके बाद लगता है रूस के खिलाफ लगे प्रतिबंधों को समाप्त करके ही इस लड़ाई को रोका जा सकता है। राजनैतिक विशेषज्ञों की माने तो राष्ट्रपति पुतिन 30 वर्ष सोवियत संघ का पुराना दबदबा बनाए रखने के लिए सुनयोवित और सफल रणनीति के तहत कार्य कर रहे है। कोरोना महामारी के बाद सारी दुनिया के देश आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में यूक्रेन एवं रूस के इस युद्ध का पलड़ा रूस के पक्ष में भारी है। 1991 में राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव संघ को विघटित होने से नहीं रोक पाए थे। 2022 में राष्ट्रपति पुतिन का अलगाववादी ताकतों को जवाब देकर पुराना गौरव हासिल करने का प्रयास सफल होता दिख रहा है। (लेखक-सनत जैन/ ईएमएस)

दैनिक पंचांग

05 मार्च 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.51 बजे से
चंद्र	मीन में	मेष	08.22 बजे से
मंगल	मकर में	वृष	10.02 बजे से
बुध	मकर में	मिथुन	12.00 बजे से
गुरु	कुंभ में	कर्क	14.13 बजे से
शुक्र	मकर में	सिंह	16.30 बजे से
शनि	मकर में	कन्या	18.42 बजे से
राहु	वृष में	तुला	20.52 बजे से
केतु	वृश्चिक में	वृश्चिक	23.07 ब.से
राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक		धनु	01.23 बजे से
		मकर	03.28 बजे से
		कुंभ	05.15 बजे से

शनिवार 2022 वर्ष का 64 वां दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2078 **शक संवत्** 1943
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** तृतीया 20.36 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रेवती 02.29 बजे रात्र को समाप्त।
योग शुक्ल (शुक्र) 00.35 बजे रात्र को समाप्त।
करण तैतिल 08.35 बजे तदनन्तर गर 20.36 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 02.3 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 06° 09'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871178
जूलियन दिन 2459643.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना सावान **तारीख** 01

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55 से	07.23 बजे तक		लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक	
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक		उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक	
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक		शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक	
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक		अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक	
चर	11.46 से	01.14 बजे तक		चर	11.47 से	01.19 बजे तक	
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक		रोग	01.19 से	02.51 बजे तक	
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक		काल	02.51 से	04.23 बजे तक	
काल	04.10 से	05.37 बजे तक		लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

स्त्री-पुरुष में अधिकारों का द्वंद ?

'मैरिटल रेप' अब सिर्फ एक शब्द नहीं, हाल के दिनों में स्त्री अधिकार और उसके विमर्श का केंद्र बन गया है। भारत जैसे उदार देश में एक तरफ तीन तलाक और हालाला जैसी कुप्रथाएं पुरुष के एकाधिकार को साबित करती हैं। वहीं 'मैरिटल रेप' यानी वैवाहिक बलात्कार भी स्त्री अधिकारों का दमन है। यह समाजिक बिद्रुपता और कुरूपता है। इसके पीछे पुरुष एकाधिकार की गंध आती है। महिलाओं को सिर्फ समर्पण, त्याग, दया और ममता की प्रतिमूर्ति समझना कहाँ का न्याय है। स्त्री और पुरुष अर्धनारिश्वर है। दोनों के बिना किसी एक का अस्तित्व नहीं है। आधुनिक युग में जहाँ 'लिव इन रिलेशन' जैसी गैर सामाजिक संस्थाओं का उदय हो रहा है। वहीं दूसरी तरफ वैवाहिक जीवन में सहमति और असहमति के बीच 'सेक्स' स्त्री और पुरुष के बीच द्वंद की दीवार बना है।

वैवाहिक जीवन में 'बलात्कार शब्द' का औचित्य ही नहीं होना चाहिए। विवाह जीवन की पहली सहमति है। वह स्त्री-पुरुष के आपसी समझौते का संस्थागत दस्तावेज है।दोनों के बीच 'दैहिक संतुष्टि' एक प्राकृतिक शाश्वत सत्य है। दैहिक संतुष्टि पर जितना प्राकृतिक अधिकार स्त्री का है उतना ही पुरुष का है। इस सत्य के पीछे सृष्टि संरचना का एक अनूठा संसार भी है। क्या हम ऐसे विवादों को खड़ा कर जीवन संरचना के 'शाश्वत सत्य' को ही मिटाने पर तुले हैं। क्या हम प्राकृतिक सत्य को ही नकारने पर अमादा हैं। वैवाहिक जीवन में 'दैहिक संतुष्टि' स्त्री-पुरुष का प्राकृतिक अधिकार है। इसे सिर्फ स्त्री विमर्श और उसके अधिकार के रूप में नहीं विश्लेषित किया जाना चाहिए। फिलहाल ऐसी बहस कितनी जायज है जब जीवन की निजी आजादी की आड़ में विवाह पूर्व 'उन्मुक्त सेक्स' की संस्कृति पनप रहीं है।

दिल्ली उच्च न्यायालय में 'मैरिटल रेप' यानी वैवाहिक बलात्कार का मामला लंबित है। अदालत ने इस मामले में केंद्र सरकार से अपना पक्ष रखने को कहा था। लेकिन सरकार इस मामले में अदालत से अभी लंबा वक्त चाहती है। अदालत उसके लिए तैयार नहीं दिखती है, उसने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। जबकि केंद्र सरकार सभी राज्यों और दूसरी संवैधानिक संस्थाओं से इस पर विमर्श चाहती है। स्त्री-पुरुष संबंधों को लेकर वर्षों पुराना कानून बदले परिवेश में अप्रासंगिक हो चला है। 'मैरिटल रेप' को अपराध घोषित कर दिया गया तो विवाह नाम की संस्था खतरे में पड़ जाएगी। समाज में एक नई तरह की समस्या पैदा हो जाएगी। देश में बलात्कार को लेकर भी तमाम कानून बने हैं उस स्थित में क्या हम बलात्कार जैसे घिनौने कृत्य पर प्रतिबंध लगा पा रहे हैं। लेकिन हम यह भी नहीं कहते हैं कि स्त्री अधिकारों की रक्षा न हो।फिलहाल इस तरह के कानून से विवाह जैसी संस्था के लिए खतरा बढेगा।

स्त्री-पुरुष के जीवन में 'बलात 'शब्द की कोई जगह ही नहीं है। विवाह कोई 'कांट्रैक्ट' नहीं है। यह जीवन जीने की पद्धति है। जीवन में सब कुछ सेक्स है यह भी गलत है।सेक्स यानी यौन संतुष्टि जीवन का आनंद और सृष्टि का सर्जक है। कुलीन स्त्री-पुरुष के संस्कारित जीवन में सहमति और असहमति की बात ही नहीं पैदा होती। जीवन में तमाम ऐसे वक्त और मोड़ आते हैं जहां सेक्स बहुत कुछ होते हुए भी कुछ नहीं होता। वैवाहिक संस्था गौड़ हो जाती है और परिवार प्रथम होता है। यह देश, काल, वातावरण और परिस्थिति जन्य हालात पर निर्भर करता है। संविधान में 'मैरिटल रेप' अपराध की श्रेणी में नहीं है। पुरुष के खिलाफ इस पर किसी सजा का प्रावधान नहीं है। वैवाहिक जीवन में 'सेक्स' जीवन का आनंद है। लेकिन सेक्स में स्त्री और पुरुष की सहमति आवश्यक है। क्योंकि 'यौन संतुष्टि' जीवन की संतुष्टि है। फिर इसमें असहमति का प्रवेश 'मैरिटल रेप' में आता है। इस मुद्दे को एक विवेकशील स्त्री-पुरुष आपस में समझ सकते हैं। अदालत का एक फैसला सिर्फ कानून बन सकता है लेकिन जीवन में साहमति और संतुष्टि नहीं पैदा कर सकता।

वैवाहिक जीवन की सफलता, संतानोत्पत्ति, संतान सुख और विभिन्न बातें जीवन की सफलता के आयाम है।जबकि यौन संतुष्टि स्त्री-पुरुष के सुखमय जीवन और पारिवारिक का परिपथ है। ऐसी स्थिति में हम यौन संतुष्टि को जीवन से अलग नहीं कर सकते हैं। विवाह जैसी पवित्र संस्था में प्रवेश के बाद ही स्त्री-पुरुष का जीवन परिवार नामक की संस्था में प्रवेश करता है। उस संस्था को सृष्टि परिवार नामक संस्था में बदलकर देश और समाज का निर्माण करती है। स्त्री-पुरुष के जीवन में असहमति तमाम दुष्परिणामों का फल देती है। यौन संतुष्टि के लिए स्त्री को सिर्फ सेक्स की मशीन नहीं समझना चाहिए। मेरा जहाँ तक ख्याल है संस्कारित जीवन में ऐसी बातें होती भी नहीं हैं।

वैवाहिक जीवन में हमें स्त्री के अधिकार की संपूर्ण रक्षा करनी चाहिए। पुरुष, स्त्री पर एकाधिकार चाहता है। जबकि अब परिवेश बदल गया है स्त्री स्वावलम्बी हो चली है उस हालात में वह पुरुष के एकाधिकार पर खुद को क्यों समर्पित करेगी। जब उसका पति रोज नशे में घर पहुँचता है और खुद की यौनिक संतुष्टि को जीवन की मंजिल मानता हो। उसके लिए स्त्री की भावनाएं और बाल-बच्चे और परिवार की समस्याएं कोई मायने नहीं रखती। हालांकि 'मैरिटल रेप' को अगर अदालत कानूनी मान्यता देती है तो स्त्री अधिकार को कानूनी रक्षा कवच मिल जाएगा, लेकिन इससे समाजिक विद्रूपता फैलने से भी इनकार नहीं किया जा सकता है।

'मैरिटल रेप' स्त्री-पुरुष के बीच एक मनोविकार है। जीवन में संतुष्टि का आनंद तभी मिलता है जब स्त्री और पुरुष के बीच सहमति होती है। इस तरह की संतुष्टि सेक्स को कई गुना बढ़ाती है। लेकिन असहमति में तमाम विद्वेष और विकारों को जन्म देती है। इस तरह की हरकत से स्त्री की निगाह में पुरुष गिर जाता है। उस स्त्री की नजरों में देवता बना पति दानव बन जाता है। पुरुष को इस तरह के हालातों से बचना चाहिए। वैवाहिक संस्था का यह शर्मनाक पहलू है। जब यौन संतुष्टि यौन हिंसा में बदल जाए तो स्त्री-पुरुष संबंध अच्छे नहीं हो सकते। सफल वैवाहिक जीवन में यौन हिंसा का कहीं स्थान नहीं होना चाहिए। यौन हिंसा ही तलाक और दूसरे मुद्दों का कारण बनती है।

भारत में 29 फिसदी महिलाएं वैवाहिक जीवन में यौन हिंसा का शिकार है। गांव और शहर में इसका अंतर साफ-साफ दिख सकता है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे के एक आंकड़े अनुसार यौन हिंसा का सबसे अधिक प्रभाव ग्रामीण इलाकों में देखने को मिलता है। ग्रामीण इलाकों में 32 फिसदी और शहरों में 24 फिसदी महिलाएं वैवाहिक जीवन में यौनिक हिंसा का शिकार हैं। महिलाओं को ऐसी हिंसा से बचने के लिए डॉमेस्टिक वायलेंस एक्ट (घरेलू हिंसा कानून) भी है। दुनिया के 185 देशों में सिर्फ 77 में 'मैरिटल रेप' पर कानून बना है। बाकी 108 देश में 74 देश ऐसे हैं जहां महिलाओं को रिपोर्ट दर्ज कराने का अधिकार है। भारत के समेत 34 देशों में मैरिटल रेप को लेकर कोई कानून नहीं है। आधुनिक परिवेश में यह मुद्दा बेहद संवेदनशील है। क्योंकि विवाह नामक संस्था को बनाए रखना भी हमारी सामजिक चुनौती है। हम एक अच्छी स्त्री चाहते हैं, लेकिन हमें एक अच्छा पुरुष भी बनना होगा। अदालत के किसी भी फैसले का असर समाज पर दूरगामी हो सकता है। सरकार और संवैधानिक संस्थाओं को इस पर गंभीरता से विचार करना होगा। (लेखक- प्रभुनाथ शुक्ल / ईएमएस)

सेल्फी का जुनून जान पर पड़ रहा भारी

सेल्फ़ी का जुनून आजकल युवाओं के सिर चढ़कर बोल रहा है। ऐसे में सेल्फ़ी की बढ़ती लत के चलते युवा अपनी ज़िंदगी तक दांव पर लगाने से बाज नहीं आते। जो फ़ोटो अपने यादगार पलों को सहेजने के लिए हुआ करती थी, वह अब लाइक, कमेंट का जरिया भर बनकर रह गई है। सेल्फ़ी का फितूर युवाओं की मौत की वजह बन रहा है। अभी हाल ही में गुरुग्राम में चार युवक चलती ट्रेन के सामने सेल्फ़ी लेने के चक्कर में काल के गाल में समा गए। 20-25 वर्ष के युवा चलती ट्रेन के सामने ऐसी सेल्फ़ी लेना चाह रहें थे। जिससे पीछे से आती ट्रेन दिखाई दे और इसी चलती ट्रेन के साथ सेल्फ़ी लेने की चाहत और कुछ लाइक, कमेंट की ख़ातिर इन चार युवकों ने अपनी जान गंवा दी। वैसे जिस वक्त ये युवा चलती ट्रेन के सामने सेल्फ़ी लेने के लिए आगे बढ़ें। उस वक्त शायद ही उन्हें सामने मौत खड़ी दिखाई दी होगी? इतना ही नहीं शायद ही किसी ने सोचा होगा कि जरा सी लापरवाही इन युवाओं की मौत की वजह बन जाएगी। देखा जाए तो यह कोई पहला मौका नहीं है जब सेल्फ़ी के जुनून में युवाओं ने जान गंवाई है। वर्तमान समय में शायद ही ऐसा कोई दिन गुजरता होगा जब सेल्फ़ी के चक्कर में युवा अपनी जान को दांव पर लगाने से बाज आते होंगे? आए दिन सेल्फ़ी के चक्कर में युवाओं की मौत मीडिया अखबारों की सुर्खियां बनती है। बावजूद इसके युवाओं का जुनून सेल्फी को लेकर कम होने का नाम नहीं ले रहा है।

उल्लेखनीय है कि जिंदगी में ख़ुशी के पल ढूढ़ने के लिए सेल्फ़ी के अलावा और भी तरीक़े है। बावजूद इसके हर वर्ग के युवा सेल्फ़ी के दीवाने हुए जा रहे हैं। सेल्फ़ी का बढ़ता क्रेज जानलेवा एडवेंचर साबित हो रहा है। यह कैसा शौक़ है कि लोग अपनी जान तक की परवाह नहीं करते है। कहते है अति हर चीज़ की बुरी होती है और बढ़ती सेल्फ़ी की दीवानगी का ही दुष्परिणाम है कि लोग डिप्रेशन जैसी गम्भीर बीमारियों का शिकार तक हो रहे हैं। अमेरिकन साइक्लोजिकल एसोसिएशन (एपीए) ने भी ऑफिशियल रूप से सेल्फ़ी लेने को मेंटल डिसऑर्डर कहा है। 2018 में जर्नल ऑफ फैमली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर के सर्वे के मुताबिक 2011 से 2017 के बीच दुनिया में 279 मौत सेल्फ़ी की वजह से हुई। जिनमें सबसे ज्यादा मौतें भारत में हुई। ऐसे में आप सहज आंकलन कर सकते हैं कि सेल्फी के प्रति दीवानगी अपने देश में किस हद्द तक बढ़ती जा रही है और जिसकी वजह से हर साल मौत के आंकड़े में इज़ाफ़ा हो रहा है।

वैसे देखा जाए तो सेल्फ़ी को आसान भाषा में स्वयं का फ़ोटो लेना कहते हैं और आज शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति हो जो सेल्फ़ी का मतलब न समझता हो। या यूं कहें कि सेल्फ़ी का दीवाना न हो। साल 1850 में दुनिया में पहली सेल्फ़ी ली गईं थी और इसे स्वीडिश आर्ट फ़ोटोग्राफ़र ऑस्कर गुस्तवे रेजलेंडर ने लिया था। तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि ऐसा दौर भी आएगा जब लोग सेल्फ़ी के दीवाने हो जाएंगे। वर्तमान परिदृश्य में नज़र डालें तो आज ऐसा कोई पल नहीं होता जिसे लोग कैमरे में कैद न करते हो। यहां तक की मौत के क्रिया कर्म तक को लोग कैमरों में कैद करके रख लेते है। अब इसके पीछे कौन सी मानसिकता है यह तो वही लोग जाने, लेकिन कहीं न कहीं यह सेल्फ़ी का कीड़ा मानसिक अवसाद का विषय आगामी समय में न बन जाएं। इस दिशा में गम्भीरता से सोचने का वक्त है, क्योंकि यत्र-तत्र सर्वत्र सेल्फी लेने की बीमारी बढ़ती जा रही। जो प्रवृत्ति घातक है। इतना ही नहीं मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी देखें तो व्यक्ति को अपने अच्छे पलों को एन्जॉय करने में समय व्यतीत करना चाहिए, न कि व्यर्थ में समय गंवाना चाहिए।

प्रसिद्ध समाजशास्त्री चार्ल्स कुले का कहना था कि हम दर्पण में स्वयं को अपनी आंखों से नहीं बल्कि समाज की आंखों से देखते हैं। सेल्फ़ी लेते समय भी यही सोच काम करती है। तभी तो सेल्फ़ी की दीवानगी इस क़दर बढ़ गई है कि लोग अपनी जान तक की परवाह नहीं करते है और अब तो फ़ोटो महज़ लाइक, कमेंट का ज़रिया भर बनकर रह गई है। ऐसे में यदि फ़ोटो पर लाइक, कमेंट न मिले तो लोग डिप्रेशन तक का शिकार हो जाते है। इतना ही नहीं अच्छी सेल्फ़ी लेने के चक्कर मे घण्टों मोबाईल स्क्रीन के सामने पोज़ देते नज़र आते है। फिर इसे लोगों की नुमाइश के लिए विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अपलोड़ कर देते है। जिन लोगो को जानते पहचानते तक नहीं उनसे उम्मीद करते है कि वो तस्वीर पर लाइक करें। जब लाइक न मिले तो लोग अवसाद में चले जाते है। यह कैसा जुनून है और हम कैसे दिखते है यह दूसरा तय करने वाला आख़िर कौन होता है? इतना ही नहीं जब हम निजात हर प्रकार से ढूढ़ते फिरते हैं। फिर हमारे निजी पलों को साझा करके हम अपने साथ आखिर क्या करते हैं? इसे सोचने और समझने की जरूरत है और मोबाइल फोन के इस्तेमाल से सेल्फी के खतरे के इतर भी अनेकोनेक ख़तरे हैं। फिर भी अगर लोग दूसरे को दिखाने के लिए अपनी जान की कीमत लगा रहें। ऐसे में यह चिंता का विषय है। एक आंकड़े की बात करें तो 2016 तक प्रतिदिन 94 मिलियन सेल्फी विश्व पटल पर खींची जाती हैं और वर्ष 2013 में सेल्फी को ऑक्सफोर्ड वर्ड ऑफ द इयर चुना गया था। ऐसे में आज 2022 में आप समझ सकते हैं कि सेल्फी का यह नशा कहाँ पहुँच गया होगा, लेकिन अगर सच पूछिए तो यह सेल्फी का नशा एक समय मीठा जहर बनने वाला है। जिससे व्यक्तिगत नुकसान तो हो ही रहा। इसके अलावा सामाजिक और देश को भी नुकसान उठाना पड़ेगा। इसलिए जितनी जल्दी हो सकें इस बीमारी से युवा पीढ़ी को बाहर निकालना होगा। (लेखिका- सोनम लववंशी / ईएमएस)

आज का इतिहास 5 मार्च

1699 महाराज जयसिंह द्वितीय गद्दी पर बैठे.
1770 बोस्टन जनसंहार के बाद अमरीकी आजादी की लड़ाई में तेजी आई.
1794 पोलैंड में विद्रोह की शुरूआत हुई.
1783 भारत में प्रशासनिक सुधार के लिए फाक्स का इंडिया विधेयक ब्रिटिश संसद में पेश किया गया लेकिन पारित नहीं हो सका.
1851 भारतीय भूगर्भ सर्वे की स्थापना हुई .
1931 गांधी इर्विन समझौते के तहत गांधीजी ने अपना सिविल नाफरमानी आंदोलन स्थगित कर दिया.
1933 जर्मनी के चुनावों में एडोल्फ हिटलर की पार्टी को भारी सफलता मिली.
1960 राष्ट्रपति सुकर्ण ने इंडोनेशिया की संसद को निलंबित कर दिया.
1962 उग्रवादियों ने अल्जीरिया की एक जेल पर हमला कर अनेक राजनीतिक बंदियों की हत्या की. 1966 ब्रिटिश विमान जापान में फुजी की पहाड़ियों से टकरा गया जिससे सभी 124 लोग मारे गए.
1970 परमाणु अप्रसार संधि 43 देशों की पुष्टि के बाद प्रभावी हुआ.
1974 इथोपिया नरेश हेल सिलासी देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था लागू करने पर सहमत हुए थे.
1991 इराक ने कुवैत से कब्जा समाप्त कर दिया.

यूक्रेन पर नाटो अब क्या करे ?

भारत सरकार के उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और उनके साथ तीन मंत्री जिस तरह हजारों छात्रों को यूक्रेन से सुरक्षित वापिस ला रहे हैं, वह अत्यंत सराहनीय है लेकिन दुर्भाग्य है कि यूक्रेन पर रूसी हमला इतना लंबा खिंचता चला जा रहा है। उसे बंद करवाने की ठोस पहल कोई भी राष्ट्र नहीं कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन अपने भाषणों में पूतिन की निंदा कर रहे हैं लेकिन वे यह भूल रहे हैं कि इस हमले को उकसाने का असली जिम्मेदार अमेरिका ही है। यदि वह यूक्रेन को नाटो में शामिल करने के लिए नहीं उकसाता तो इस रूसी हमले की नौबत ही नहीं आती। यूक्रेनी राष्ट्रपति झेलेंस्की की औपचारिक अर्जी के बावजूद यूरोपीय संघ अभी तक मौन है। वह उसे अपना सदस्य बनाकर उसकी रक्षा के लिए अपनी फौज क्यों नहीं भेज रहा है? अब संयुक्तराष्ट्र महासभा ने भी 141 वोटों से रूस की भर्त्सना कर दी है। लेकिन यह भर्त्सना निरर्थक है। क्या इससे रूस सहम गया है? हमला तो जारी है। यहां आश्चर्य की बात यही है कि इस मतदान में चीन, भारत और ङ्खछ%च्छ्रृद्धद्ध– तीनों ने अपना वोट नहीं दिया। तीनों ने परिवर्जन (एब्सटैन) किया। याने तीनों राष्ट्र अपने-अपने राष्ट्रहित की सुरक्षा में लगे हुए हैं। तीनों रूस और अमेरिका में से किसी का भी गुस्सा मोल लेना नहीं चाहते। जैसा कि मैंने हफ्ते भर पहले लिखा था, रूस शायद तब तक चैन से नहीं बैठेगा, जब तक वह यूक्रेन में अपनी कठपुतली सरकार कायम नहीं करवा देगा। बेलारूस में यूक्रेन और रूस का पहला संवाद अधूरा रह गया था, अब दूसरा संवाद आज शुरु होगा। ऐसी स्थिति में रूस यह मांग भी रख रहा है कि यूक्रेन में फलां-फलां अस्त्र नाटो तैनात न करे। यह तो सबको पता है कि यूक्रेन में चेर्नोबिल का प्रसिद्ध परमाणु-केंद्र था लेकिन रूस ने यूक्रेन को परमाणुमुक्त करवा लिया था। अगर यूक्रेन के पास आज परमाणु शस्त्रास्त्र होते तो क्या पूतिन की उस पर हमला करने की हिम्मत पड़ती? इस समय पश्चिमी राष्ट्रों का कर्तव्य है कि पूतिन की मांगों पर गंभीरतापूर्वक विचार करें और रूस को आश्वस्त करें कि वे यूक्रेन को अपना मोहरा नहीं बनाएंगे। यदि वे ऐसा करें तो यह विनाशकारी युद्ध तत्काल बंद हो सकता है। भारत अपने छात्रों को निकाल लाने का उद्यम जिस लगन के साथ कर रहा है, वही लगन वह इस हमले को रुकवाने में दिखाए तो उसके परिणाम चमत्कारी हो सकते हैं। (लेखक- डॉ. वेदप्रताप वैदिक / ईएमएस)

शब्द पहेली - 7216

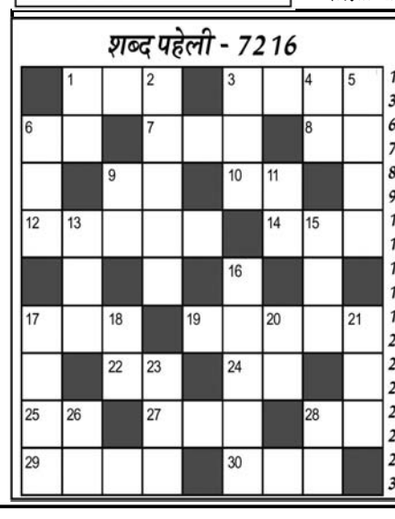

बाएँ से दाएँ

1.दैत्य,असुर-3
3.रुकावट,बाधा-4
6.सम्मान-2
7.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
8.मूल,कंद-2
9.सलाह,मशवरा-2
10.मोटा आटा-2
12.सलाह देने वाला-5
14.जलाना-3
17.माला का मोती-3
19.उग्रवाद,हिंसा वाद-5
22.शराब,मदिरा-2
24.दुख,कष्ट-2
25.चेतना,ध्यान-2
27.सालन,रसा-3
28.घ्राणेंद्रिय,इज्जत-2
29.राजकुमार (उर्दू-4)
30.अस्तित्व,प्राण तत्व-3

ऊपर से नीचे

1.खैरात,दक्षिणा-2
2.गोलाकार-5
3.नश्वर,जो कभी न मरे-3
4.प्रतिदिन-2
5.हृदय स्पंदन-4
6.विचार-3
9.मार्ग,रास्ता-2
11.अदालत में प्रस्तुत दावा-2
13.बब्बर शेर (अंग्रेजी-3)
15.सीरा,एक मिष्ठान्न-3
16.पतंग के पेच लड़ाना-5
17.बेसुध,अलमस्त-4
18.कार्य-2
20.जरा,थोड़ा-2
21.दरवाजा खटखटाना-3
23.इन्होंने कृष्ण को पाला था,कृष्ण की दूसरी मां-3
26.उकसावा,बढ़ावा-2
28.गैंदे की एक प्रकार की रोटी-2

शब्द पहेली -7215 का हल

■Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

भारत- श्रीलंका पहला टेस्ट : हनुमा और ऋषभ की शानदार बल्लेबाजी से भारत ने बनाये 357 /6

(मोहाली) भारत- श्रीलंका पहला टे

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को भी गिरावट के साथ बंद हुआ। रूस-यूक्रेन संकट के कारण सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन भी बाजार में बिकवाली हावी रही। बाजार पिछले तीन दिनों से लाल निशान पर बंद हुए हैं। बाजार में यह गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर रुख के साथ ही दिग्गज कंपनियों के शेयरों के नीचे आने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 768.87 अंक करीब 40 फीसदी की गिरावट के साथ ही 54,333.81 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 252.70 अंक तकरीबन 1.53 फीसदी नीचे आकर 16,245.35 अंक पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह भी बाजार की कमजोर शुरुआत हुई थी जो समय के साथ ही बढ़ती गयी।

बाजार जानकारों के अनुसार यूक्रेन संकट गहराने से वैश्विक शेयर बाजारों में तेज बिकवाली हुई। इसके अलावा तेल के दाम में तेजी के साथ आपूर्ति संबंधी बाधाओं को लेकर भी बाजार प्रभावित हुआ है।

घरेलू बाजार में आईटी और दवा कंपनियों के शेयरों में लिवाली (खरीददारी) से गिरावट पर कुछ रोक लगी। सेंसेक्स के शेयरों में टाइटन, मारुति सुजुकी इंडिया, एशियन पेंट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा तथा हिंदुस्तान यूनिलीवर लि. के शेयरों में 5.05 फीसदी तक की गिरावट रही। वहीं दूसरी ओर आईटीसी, डा. रेड्डीज लैबोरेटरीज, टेक महिंद्रा और अल्ट्रा टेक सीमेंट के शेयर ऊपर आये हैं। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली भी जारी है जिससे भी बाजार पर दबाव पड़ा है।

रूस-यूक्रेन संकट : घरेलू इस्पात पांच हजार रुपए प्रति टन तक महंगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेलू इस्पात विनिर्माताओं ने हॉट रोल्ड कॉयल (एचआरसी) और टीएमटी सरिया का दाम पांच हजार रुपए प्रति टन बढ़ा दिया है। यूक्रेन संकट से आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने से घरेलू निर्माताओं ने इस्पात के दाम बढ़ाए हैं। सूत्रों के अनुसार पिछले कुछ दिनों में इस्पात की कीमतों में वृद्धि की गई है, आने वाले हफ्तों में इसकी कीमत में और वृद्धि होने के आसार है। सूत्रों ने बताया कि कीमतों में बदलाव के बाद एचआरसी का भाव 66,000 रुपए प्रति टन पर पहुंच गया है। इसतरह टीएमटी की कीमत लगभग 65,000 रुपए प्रति टन पर आ गई है। एक इस्पात कंपनी के अधिकारी ने बताया कि इस्पात की कीमतों में कुछ हफ्ते पहले की तुलना में लगभग 20 प्रतिशत बढ़ी है। वही कोकिंग कोल की कीमत 500 डॉलर प्रति पर पहुंच गई है।

गौरतलब है कि भारत अपनी जरुरत का 85 प्रतिशत कोकिंग कोल आयात के जरिए पूरा करता है। कोकिंग कोल कच्चा माल बनाने वाला एक प्रमुख इस्पात है। यह ज्यादतर ऑस्ट्रेलिया से आता है, और कुछ हिस्सा दक्षिण अफ्रीका, कनाडा और अमेरिका से खरीदा जाता है। इस्पात समेत घरेलू क्षेत्रों पर रूस-यूक्रेन के प्रभाव के बारे में पूछने पर टाटा स्टील के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी टीवी नरेंद्रन ने कहा, ठरूस और यूक्रेन दोनों ही कोकिंग कोल और प्राकृतिक गैस सहित कच्चे माल के आपूर्तिकर्ता होने के अलावा इस्पात के विनिर्माता और निर्यातक हैं। इन दोनों देशों के बीच जारी सैन्य संकट आपूर्ति एवं मांग की गतिशीलता, कच्चे माल की लागत और समग्र वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करेगाठ

कोरोना से ऊबरी देश की अर्थव्यवस्था, फरवरी में सर्विस सेक्टर में दिखा सुधार

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां फरवरी में मांग बढ़ने और महामारी से जुड़े जोखिम कम होने से आंशिक रूप से बढ़ी हैं। हालांकि प्रसार की दर जुलाई के बाद सबसे सुस्त रहीं। सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक फरवरी 2022 में सेवा कारोबार गतिविधि सूचकांक 51.8 पर पहुंच गया, जो जनवरी में 51.5 पर था। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) के 50 से ऊपर रहने का मतलब गतिविधियों में प्रसार है, जबकि 50 से नीचे होने पर संकुचन होता है। आईएचएस मार्किट के सर्वेक्षण में शामिल प्रतिभागियों ने स्थिति में सुधार का श्रेय बेहतर मांग हालात और कोरोना का खतरा कम होने को दिया है। रिपोर्ट कहती है, ठयह वृद्धि ऐतिहासिक मानकों से नरम रही, कुछ कंपनियों ने प्रतिस्पर्द्धी दबावों, कोरोना और ऊंची कीमतों से वृद्धि प्रभावित होने के संकेत दिएठ

आईएचएस मार्किट की एसोसिएट निदेशक (अर्थशास्त्र) पॉलियाना डी लिमा ने कहा, नए कारोबार एवं सेवा गतिविधियों में हल्का प्रसार ही हुआ। यह जुलाई 2021 के बाद की सबसे सुस्त वृद्धि दर रही। सर्वे प्रतिभागियों से मिले आंकड़ों से पता चलता है कि मुद्रास्फीति दबाव, कच्चे मालक की कमी और राज्यों के चुनावों ने वृद्धि पर असर डाला। जनवरी में कोरोना तीसरी लहर जोर पकड़ने से वृद्धि में सुस्ती देखी गई थी। उसकी तुलना में फरवरी में हालात कुछ बेहतर हुए हैं। इसके अलावा कारोबारी विश्वास में भी हालात कुछ बेहतर हुए हैं, लेकिन नौकरियों में कमी दर्ज की गई है। इस बीच उत्पादन कीमतों की तुलना में कच्चे माल की लागत बढ़ गई। डी लिमा ने कहा कि सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर फरवरी में अपेक्षा के अनुरूप रफ्तार भरने में नाकाम रही। इसके साथ ही सेवा क्षेत्र की कंपनियां उम्मीद के मुताबिक तेजी नहीं पकड़ पाईं।

चिप संकट : वाहनों की खुदरा बिक्री में आठ फीसदी की गिरावट

मुंबई (ईएमएस)। वाहन डीलरों के संगठन फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने कहा कि चिप की कमी के कारण कंपनियों को उत्पादन संबंधी नुकसान लगातार उठाना पड़ रहा है, इससे फरवरी में घरेलू यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री में आठ फीसदी की गिरावट आई है। यात्री वाहनों की बिक्री पिछले महीने 7.84 फीसदी गिरकर 2,38,096 इकाई पर आ गई जो फरवरी 2021 में 2,58,337 इकाई थी। फाडा के अध्यक्ष विनकेश गुलाटी ने कहा कि यात्री वाहन श्रेणी में कुछ नए वाहन बाजार में आए और बेहतर उत्पादन से कुछ राहत,तब जरूर मिली लेकिन यह ग्राहकों की मांग की पूर्ति के लिहाज से कम है। वाहन के लिए इंतजार का समय पिछले कुछ महीनों जितना ही बना हुआ है। संगठन की ओर से चेतावनी दी गई कि रूस-यूक्रेन संघर्ष के कारण सेमीकंडक्टर का उत्पादन और अधिक प्रभावित होगा है।

पिछले महीने दो पहिया वाहनों की बिक्री 10.67 फीसदी की गिरावट के साथ 9,83,358 इकाई रही जो फरवरी 2021 में 11,00,754 इकाई थी। पिछले महीने 50,304 ट्रेक्टर बिके जो फरवरी 2021 में बिके 62,004 ट्रेक्टर के मुकाबले 18.87 फीसदी कम है। हालांकि दूसरी ओर व्यावसायिक वाहनों की बिक्री में पिछले वर्ष के मुकाबले इस फरवरी में 7.41 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। पिछले महीने कुल 63,797 वाहन बिके जबकि एक साल पहले समान महीने में 59,395 वाहन बिके थे। पिछले महीने विभिन्न प्रकार के कुल 13,74,516 वाहनों की खुदरा बिक्री हुई जो फरवरी 2021 में बिके 15,13,894 वाहनों के मुकाबले 9.21 फीसदी कम है।

रूस और यूक्रेन जंग से 1970 के बाद का सबसे बड़ा तेल संकट पैदा होने का खतराः आईएचएस

मुंबई (ईएमएस)। अमेरिका और यूरोपीय देशों ने रूस के बैंकिंग सिस्टम पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं। ये देश रूस के ऑयल का भी विरोध कर रहे हैं। दुनियाभर के बैंक, पोर्ट्स और ट्रांसपोर्टर्स रूसी ऑयल से खुद को दूर रखने की कोशिश कर रहे हैं। इससे 1970 के दशक के बाद सबसे बड़ी ऑयल क्राइसिस का खतरा दिख रहा है। आईएचएस मार्किट के वाइस-चेयरमैन डेनियल येर्गिन ने कहा है कि यूक्रेन पर रूस के हमले से दुनिया में 1970 के दशक के बाद सबसे बड़ी ऑयल क्राइसिस पैदा हो सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार येर्गिन ने कहा ?कि 1970 के दशक में अरब ऑयल पर बैन और ईरानियन क्रांति के बाद से ऑयल की सबसे बड़ी क्राइसिस सामने आ सकती है। येरगिन का कहना है कि यह 1970 के दशक में अरब तेल प्रतिबंध और ईरानी क्रांति के बाद से सबसे खराब संकट हो सकता है। उस दशक में दोनों घटनाएं तेल के लिए बहुत बड़ा झटका था। यद्यपि अमेरिका और अन्य देशों द्वारा रूसी तेल पर प्रतिबंध अभी तक लागू नहीं किए गए हैं। येरगिन का मानना है कि बाजार से रूसी बैरल का एक महत्वपूर्ण नुकसान होगा। उनके अनुसार रूस प्रतिदिन लगभग 7.5 मिलियन बैरल तेल और प्रोसेस्ड वस्तुओं का निर्यात करता है। येरगिन के मुताबिक लोजिस्टिक्स के मामले में वास्तव में यह एक बड़ा व्यवधान होने जा रहा है और लोगों को परेशानी होने जा रही है। यह एक आपूर्ति संकट है। यह एक लोजिस्टिक्स संकट है। यह एक भुगतान संकट है और यह 1970 के दशक के पैमाने पर भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि प्रतिबंध लगाने वाली सरकारों और उद्योग के बीच मजबूत कम्युनिकेशन सबसे खराब स्थिति का की तरफ बढ़ सकते हैं। येरगिन के मुताबिक सरकारों को स्पष्टता प्रदान करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि नाटो के सदस्य रूस के निर्यात का लगभग आधा हिस्सा प्राप्त करते हैं। उसका कुछ हिस्सा बाधित होने वाला है।

खुदरा निवेशक अमेरिकी बाजार में कर सकेंगे कारोबार

नई दिल्ली (ईएमएस)। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) की पूर्ण अनुषंगी इकाई एनएसई आईएफएससी ने गैर-प्रायोजित डिपॉजिटरी प्राप्तियों में लेनदेन शुरू किया है। इसके साथ अब भारतीय खुदरा निवेशक अमेरिकी शेयरों में आसानी और किफायती तरीके से कारोबार कर सकते हैं। इसके तहत खुदरा निवेशक न्यूयार्क शेयर बाजार (एनवाईएसई) और नैस्डैक में सूचीबद्ध अमेरिकी शेयरों में कारोबार कर सकेंगे। एनएसई द्वारा जारी बयान के अनुसार उसने गैर-प्रायोजित डिपॉजिटरी प्राप्तियों में व्यापार एचडीएफसी बैंक के साथ मिलकर आईएफएससीए द्वारा निर्धारित नियामक 'सैंडबॉक्स' ढांचे के तहत शुरू किया है। इसके साथ ही भारतीय खुदरा निवेशक अब भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित उदारीकृत प्रेषण योजना (एलआरएस) के तहत एनएसई आईएफएससी मंच पर लेनदेन कर सकेंगे।

अगले महीने से 10 फीसदी तक बढ़त सकती है दवाइयों की कीमत

- भारत में 1.6 लाख करोड़ के दवा बाजार में अधिसूचित दवाओं की हिस्सेदारी 18 प्रतिशत

मुंबई (ईएमएस)। अप्रैल से अधिसूचित दवाइयों की कीमतों में 10 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हो सकती है। राष्ट्रीय दवा मूल्य नियामक थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) में हुए बदलाव के हिसाब से इन दवाओं की कीमतें बढ़ाने की इजाजत दे सकता है। भारत में 1.6 लाख करोड़ रुपए मूल्य के दवा बाजार में अधिसूचित दवाओं की हिस्सेदारी 17-18 प्रतिशत है। अधिसूचित दवाओं का मूल्य सरकार तय करती है। राष्ट्रीय औषधि मूल्य प्राधिकरण (एनपीपीए) औषधि मूल्य नियंत्रण आदेश, 2013 के दायरे में आने वाली दवाओं का मूल्य निर्धारित करता है। हर साल मार्च में नियामक थोक महंगाई में सालाना बदलाव देखकर तय करता है कि दवा कंपनियां दाम कितने बढ़ा सकती हैं। अधिसूचित दवाएं आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची (एनएलईएम) में आती हैं। इस सूची में एंटीबायोटिक , विटामिन, मधुमेह, रक्तचाप नियंत्रक सहित अन्य दवाएं आती हैं। दवा कंपनियां गैर-अधिसूचित दवाओं के दाम हर साल 10 प्रतिशत तक बढ़ा सकती हैं। बढ़ी हुई कीमतें प्रत्येक वर्ष 1 अप्रैल से प्रभावी होती हैं। गैर-अधिसूचित दवाएं मूल्य नियंत्रण के दायरे में नहीं आती हैं। दवा उद्योग को लगता है कि डब्ल्यूपीआई में बदलाव के आधार पर एनपीपीए अधिसूचित दवाओं की कीमतों में 10 प्रतिशत बढ़ोतरी की अनुमति दे सकता है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार के कार्यालय के अनुसार जनवरी 2022 में थोक मूल्य महंगाई 12.96 प्रतिशत थी जो जनवरी 2021 में 2.51 प्रतिशत थी। एनपीपीए के साथ काम कर चुके एक पूर्व सरकारी अधिकारी ने कहा ?कि इस वर्ष अप्रैल में अधिसूचित दवाओं की कीमतें बढ़ीं तो यह डीपीसीओ 2013 के बाद से दाम में सबसे बड़ा इजाफा होगा। दवा उद्योग से जुड़े लोग भी इससे सहमत हैं। इस बारे में इस उद्योग के एक प्रतिनिधि ने कहा ?कि हमें हर साल 0.5 प्रतिशत से 4 प्रतिशत तक दाम बढ़ाने की अनुमति मिलती है, जो अधिकतम होती है। ऐसी करीब 800 दवाएं हैं जो मूल्य नियंत्रण के दायरे में आती हैं। अगर दाम 10 प्रतिशत तक बढ़ते हैं तो 2013 के बाद पहली बार ऐसा होगा जब इतना बड़ा इजाफा होगा। 2016 में तो दवा कंपनियों को अधिसूचित दवाओं की कीमतें घटानी पड़ी थीं क्योंकि ??वित्तीय वर्ष 2015 में पिछले वर्ष की तुलना में डब्ल्यूपीआई में 2.71 प्रतिशत कमी आ गई थी। वास्तव में कीमतों में बढ़ोतरी 10 प्रतिशत से कम रह सकती है। दवा कंपनियों का कहना है कि इस वर्ष डब्ल्यूपीआई के आधार पर एनएलईएम दवाओं के दाम में 10 प्रतिशत तक वृद्धि की इजाजत दे सकता है मगर वास्तविक इजाफा इतना नहीं होगा।

जून में दक्षिण अफ्रीका से टी20 सीरीज खेलेगी भारतीय टीम

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम जून में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर टी20 सीरीज खेलेगी। 5 मैचों की इस घरेलू टी20 सीरीज का आयोजन आईपीएल के 15 सत्र के समाप्त होने के बाद होगा। इसके मुकाबले कटक, विशाखापत्तनम, दिल्ली, राजकोट और चेन्नई में खेले जाएंगे। बीसीसीआई के अनुसार इस सीरीज का पहला टी20 मैच 9 जून को जबकि 5वां और अंतिम मुकाबला 19 जून को खेला जाएगा। इस साल के अंत में होने वाले ऑस्ट्रेलिया में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले टी20 विश्व कप को देखते हुए ही यह सीरीज दोनों टीमों के लिए अहम बतायी जा रही है। भारतीय क्रिकेट टीम के हौसले इस समय बुलंद हैं। टीम इंडिया इस समय आईसीसी टी20 रैंकिंग में शीर्ष पर कायम है। भारतीय टीम ने लगातार 12 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच जीतकर अफगानिस्तान के सबसे ज्यादा मैच जीतने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। टीम इंडिया के पास दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपने नाम बड़ा रिकॉर्ड दर्ज करने का अवसर होगा। भारतीय टीम के लिए यह साल बेहद व्यस्त रहने वाला है। भारतीय टीम को जून में आयरलैंड का भी दौरा करेगीहै। क्रिकेट आयरलैंड के जारी कार्यक्रम के अनुसार दोनों टीमों के बीच जून के अंतिम सप्ताह में 2 टी20 मुकाबले खेले जाएंगे। सीरीज का पहला टी20 मैच 26 जून को जबकि दूसरा 28 जून को खेला जाएगा। भारतीय टीम इससे पहले अंतिम बार साल 2018 में आयरलैंड गयी थी।

सुप्रीम कोर्ट आशीष मिश्रा की जमानत को चुनौती देने वाली याचिका पर 11 मार्च को करेगा सुनवाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के सुप्रीम कोर्ट में यूपी के लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में केन्द्र सरकार में मंत्री अजय मिश्रा के बेटे एवं मामले में मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा को इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा जमानत दिए जाने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर 11 मार्च को सुनवाई करने के लिए शुक्रवार को सहमत हो गया। इस हिंसा में चार किसानों सहित आठ लोग मारे गए थे। प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण के नेतृत्व वाली एक पीठ ने वकील प्रशांत भूषण की उस दलील पर गौर किया कि मामले के अन्य आरोपी आशीष मिश्रा को दी गई राहत का हवाला देते हुए जमानत के लिए अदालत का रुख कर रहे हैं। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, 'मैं मामले को 11 मार्च के लिए सूचीबद्ध कर सकता हूं। अन्य न्यायाधीश भी मौजूद होने चाहिए।'

भूषण ने अदालत में दाखिल प्रतिवेदन में कहा कि उच्च न्यायालय ने मिश्रा को जमानत देते हुए कानून का पालन नहीं किया और उसके सबूतों से छेड़छाड़ करने सहित अन्य पहलुओं पर गौर नहीं किया। भूषण ने कहा कि अन्य आरोपी भी इस फैसले का हवाला देकर अब जमानत मांग रहे हैं। उन्होंने उच्च न्यायालय को यह निर्देश देने का अनुरोध किया कि वह फिलहाल अन्य आरोपियों की जमानत याचिका पर सुनवाई ना करे। पीठ ने कहा, 'उच्च न्यायालय के समक्ष ज्ञापन दाखिल करें कि हम मामले पर 11 मार्च को सुनवाई कर रहे हैं।' उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में हिंसा में मारे गए किसानों के परिवारों के तीन सदस्यों ने मामले में मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा को इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा जमानत दिए जाने को चुनौती देते हुए उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर की है।

गौरतलब है कि किसानों का एक समूह उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की यात्रा के खिलाफ तीन अक्टूबर को प्रदर्शन कर रहा था, तभी लखीमपुर खीरी में एक एसयूवी (कार) ने चार किसानों को कथित तौर पर कुचल दिया। इससे गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने भाजपा के दो कार्यकर्ताओं और एक चालक को कथित तौर पर पीट-पीट कर मार डाला, जबकि हिंसा में एक स्थानीय पत्रकार की भी मौत हो गई। किसान नेताओं ने दावा किया है कि उस वाहन में आशीष मिश्रा थे, जिसने प्रदर्शनकारियों को कुचला था। हालांकि, उन्होंने आरोपों को खारिज किया है।

कोरोना की चौथी लहर डेल्टा जैसी हो सकती है खतरनाक

कानपूर कोरोना की तीसरी ओमिक्रॉन लहर धीमी पड़ती जा रही है। ऑफिस और स्कूल खुलने लगे हैं। लोग पहले की तरह बेफिक्र दिख रहे हैं। इसके साथ ही चौथी लहर से जुड़ा जो प्रिडिक्शन है वह थोड़ा चिंता पैदा करने वाला है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन पहले ही चेता चुका है कि ओमिक्रॉन आखिरी वैरियंट नहीं है। इसके बाद होने वाले म्यूटेशन और ज्यादा खतरनाक हो सकते हैं। अब एक्सपर्ट ने बताया है कि चौथी लहर कितनी खतरनाक हो सकती है। कोविड की अगली वेव अल्फा या डेल्टा जैसी सीवियर हो सकती है। इससे पहले आईआईटी कानपूर के वैज्ञानिक कैलकुलेशन निकाल चुके हैं कि कोरोना की अगली लहर दुनिया मई से जून के बीच आएगी।

कर्नाटकः कलबुर्गी की लाडले मशक दरगाह में प्रवेश को लेकर तनाव, अब तक 167 गिरफ्तार

बेंगलुरु (ईएमएस)। कर्नाटक के कलबुर्गी जिले के अलंद में एक मार्च को हुए सांप्रदायिक बवाल के बाद पुलिस ने 167 लोगों को गिरफ्तार किया है। शहर में उस समय तनाव पसर गया था जब दो पक्षों के समूहों ने सोमवार को लाडले मशक दरगाह में प्रवेश करने का प्रयास किया था जबकि उस इलाके में धारा 144 लागू थी। दरअसल, हिंदू संगठन नवंबर 2021 में हुई कथित अपवित्रता के चलते शिवलिंग को ठशुद्धठ करने के लिए विशेष पूजा अर्चना करना चाहते थे। उसी दिन विशेष संप्रदाय ने भी एक ही परिसर में मौजूद दरगाह पर शबाब-ए-बारात कार्यक्रम करने की तैयारी की थी। इसके चलते पुलिस प्रशासन ने इलाके में 27 फरवरी से 3 मार्च तक धारा 144 लागू कर लोगों के एकसाथ जमा होने पर पाबंदी लगा दी थी। इसके बावजूद श्री राम सेना ने 1 मार्च को लाडले मशक दरगाह पर राघव चैतन्य शिवलिंग को शुद्ध करने का ऐलान कर दिया और फिर वहां दूसरे पक्षों के भी आ जाने से मौके पर तनाव के हालात पैदा हो गए।

पुलिस का कहना है कि बीजेपी सांसद और केंद्रीय मंत्री भगवंत खुबा ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ दरगाह परिसर में शिवलिंग की 'शुद्धि' करने के लिए एक बड़ी रैली का आयोजन किया था। इस दौरान उन्होंने प्रतिबंध के बावजूद धार्मिक स्थल के भीतर दाखिल होने की कोशिश की। पुलिस ने केवल 10 लोगों को दरगाह परिसर में शिवलिंग की पूजा करने की अनुमति दी थी। लेकिन नेता नहीं माने और जोर देकर कहा कि सभी को अनुमति दी जाए और विरोध करना शुरू कर दिया।साथ ही बड़ी संख्या में दूसरा धार्मिक समूह दरगाह के पास जमा हो गया और उसने बैरिकेड्स तोड़ने का प्रयास किया। दूसरा पक्ष जानना चाहता था कि उन्हें प्रवेश क्यों नहीं करने दिया गया? उन्होंने बीजेपी के 10 नेताओं को ऐसा करने की अनुमति देने के फैसले का विरोध किया। इसके बाद पथराव हुआ जिसमें डीसी, एसपी और एसीपी के वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। बाद में पुलिस के लगातार समझाने पर स्थिति पर काबू पाया गया। हर समुदाय से सिर्फ 10 लोगों को अनुमति देने पर सहमति बनी।

मेरे रहते दल बदलुओं को कांग्रेस में फिर वापसी संभव नहीं : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस नेत्री और उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी ने दो टूक शब्दों में दल बदलुओं का कड़ा संदेश दिया है और कहा कि कांग्रेस छोड़ने वालों की दोबारा पार्टी में वापसी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि जब तक वो प्रभारी हैं तब तक ऐसे नेताओं के लिए पार्टी में कोई जगह नहीं है। बता दें कि उत्तर प्रदेश चुनाव से पहले कई नेताओं कांग्रेस का हाथ छोड़ बीजेपी का दामन लिया था। एक बातचीत करते हुए प्रियंका ने कहा, 'जो पार्टी छोड़कर चले गए उनके लिए हमारे दरवाजे कभी नहीं खुलेंगे। जब तक मैं प्रभारी हूं तब तक उनके लिए पार्टी में कोई जगह नहीं है। जब लड़ना था, जब हिम्मत चाहिए थी, तब आप दुम दबाकर भाग गए। आज जो कार्यकर्ता लड़ रहे हैं, पार्टी के पदों पर उनका हक है।'

पंजाब से लेकर उत्तर प्रदेश और फिर उत्तर पूर्व, देश के हर कोने में कांग्रेस का यही हाल है। दिन ब दिन पार्टी कमज़ोर होती जा रही है। बता दें कि हाल के दिनों में कांग्रेस ने कई नेताओं ने पार्टी छोड़ दी। हाल ही में पूर्व कानून मंत्री अश्वनी कुमार ने भी पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि जो नई कांग्रेस बनाई गई है उसका भविष्य बहुत अंधकारमय है। अगर पार्टी का ढांचा ही ठीक नहीं होगा तो आपको दिक्कत होगी। इससे पहले कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद आरपीएन सिंह भाजपा में शामिल हो गए थे। हर राज्य में चुनाव से पहले या फिर बाद में कांग्रेसी नेताओं के बीच भगड़द मच जाती है। पार्टी में गुटबाज़ी और सम्मान न मिलने का आरोप लगा कर नेता लगातार पार्टी छोड़ रहे हैं। पंजाब से लेकर उत्तर प्रदेश और फिर उत्तर पूर्व, देश के हर कोने में कांग्रेस का यही हाल है।

क्या भूखे-प्यासे भारतीयों को स्वदेश लाना क्या सरकार की जिम्मेदारी नहीं है - राहुल गाँधी

लखनऊ (ईएमएस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने यूक्रेन में भूख-प्यास के बीच गुहार लगा रहे भारतीयों का वीडियो ट्वीट करते हुए सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या भूखे-प्यासे भारतीयों को स्वदेश लाना क्या सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। उन्होंने कहा, भारतीय छात्रों पर सवाल उठाने के बजाय मोदी सरकार खुद से सवाल क्यों नहीं करती? संकट में फंसे छात्रों ने सरकार की क्रूरता व नाकामी का सच दिखा दिया है। उत्तरप्रदेश के पिंडरा में चुनावी रैली के दौरान राहुल गांधी ने सवाल किया है कि क्या ये हिन्दुस्तान के युवा नहीं, क्या ये हमारे नहीं हैं। उन्होंने एक वीडियो ट्वीट किया है, जिसमें छात्र कह रहे हैं कि चारों ओर स्नाइपर लगे हुए हैं। चौतरफा एयरस्ट्राइक हो रही है। कहीं हमला हो जाए, हर वक्त ये खतरा बना हुआ है। हर आधे घंटे में बमबारी हो रही है। हम यहां 800-900 लोग फंसे हुए हैं। शुरुआत से ही गुहार लगा रहे हैं। हम लगातार पीएम मोदी से गुहार लगा रहे हैं कि हमें यहां से निकाला जाए। हम लोग यहां मारे जाएंगे, अगर हमला नहीं भी हुआ तो हम भूख प्यास से मर जाएंगे। हमारे पास पीने के लिए पानी नहीं है।

राहुल गांधी ने कहा, हिन्दुस्तान के हजारों युवा यूनिवर्सिटी में पढ़ते थे। वहां युद्ध शुरू हुआ, वहां बम गिरते हैं। जब वे लोग गुहार लगाते हैं तो नरेंद्र मोदी के लोग कहते हैं कि ये लोग जब भारत में फेल हो गए तो वहां गए। क्या उन्हें लाने की जिम्मेदारी सरकार की नहीं बनती है क्या?

कई भारतीय अब भी यूक्रेन में संघर्ष वाले क्षेत्रों में फंसे हुए हैं - भारत

नई दिल्ली (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन के मध्य छिड़ी जंग के बीच कई भारतीय अब भी यूक्रेन में संघर्ष वाले क्षेत्रों में फंसे हुए हैं। केंद्र ने शुक्रवार को कहा कि कम से कम 1000 भारतीय फंसे हुए हौं जिनमें से सुमी में 700 और खारकीव में 300 भारतीय पूर्वी यूक्रेन में संघर्ष वाले क्षेत्रों में फंसे हुए हैं। सरकार ने बताया कि उन्हें वहां से निकालने के लिए बसों का इंतजाम करना इस वक्त सबसे बड़ी चुनौती साबित हो रही है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने ब्रीफिंग में कहा, ठजब तक यूक्रेन से हर एक भारतीय निकल नहीं जाता तब तक ऑपरेशन गंगा जारी रहेगा। करीब-करीब 2 से 3 हजार और भारतीयों के यूक्रेन में फंसे होने की आशंका है। यह आंकड़ा घट-बढ़ सकता गोलियां चल रही हैं, गोलाबारी हो रही हैं और कड़ाके की ठंड है।

पूर्व दिग्गज लेग स्पिनर शेन वॉर्न का निधन, थाईलैंड में अपने विला में बेसुध मिले थे

कैनबरा (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज लेग स्पिनर शेन वॉर्न का शुक्रवार को निधन हो गया. बताया जा रहा है कि 52 वर्षीय पूर्व दिग्गज खिलाड़ी का निधन दिल का दौरा पड़ने की वजह से हुआ. वॉर्न इस दौरान थाईलैंड में मौजूद थे. मिली जानकारी के अनुसार वॉर्न अपने विला में मौजूद थे, जहां उन्हें बेसुध पाया गया.

शेन वॉर्न ने साल 1992 में भारतीय टीम के खिलाफ सिडनी में अपने अंतरराष्ट्रीय टेस्ट करियर का आगाज किया था. वहीं उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट मुकाबला साल 2007 में इंग्लैंड के खिलाफ सिडनी में ही खेला था. क्रिकेट के मैदान में उनके नाम कई बड़े रिकॉर्ड दर्ज हैं. वॉर्न टेस्ट क्रिकेट में मौजूदा समय में सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले दुनिया के दूसरे गेंदबाज हैं. ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर ने अपनी टीम के लिए 145 टेस्ट मुकाबले खेलते हुए 273 पारियों में 25.4 की एवरेज से कुल 708 विकेट चटकाए हैं. इस दौरान उन्होंने 48 बार चार और 37 बार पांच विकेट लेने का भी कारनामा किया है.

वनडे में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 194 मैच खेलते हुए 191 पारियों में 25.7 की एवरेज से 293 विकेट चटकाए हैं. वनडे क्रिकेट में उनके नाम 12 बार चार और एक बार पांच विकेट लेने का कारनामा है.

फ्रांस की युद्ध रोकने की कोशिश नाकाम हुई, यूक्रेन पर कब्जा करके ही दम लेगा रूस

पेरिस (ईएमएस)। फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुअल मैक्रों ने कहा कि उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से यूक्रेन पर हमले रोकने के लिए एक बार फिर कहा है, लेकिन पुतिन अभी ऐसा करने के मूड में नहीं दिखते। मैक्रों ने ट्वीट किया उन्होंने युद्ध रोकने से इनकार कर दिया है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने पुष्टि की कि उन्होंने गुरुवार को रूसी राष्ट्रपति पुतिन से फोन पर बात की थी। उन्होंने कहा कि वह रूस के साथ संवाद जारी रखेंगे, ताकि और अधिक मानवीय त्रासदी को रोका जा सके।

उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा हमें हालात बदतर होने से रोकने चाहिए। फ्रांसीसी और रूसी राष्ट्रपतियों द्वारा फोन पर बात करने के बाद जारी बयान में, क्रेमलिन ने स्पष्ट किया कि उसके लक्ष्यों में यूक्रेन का विसैन्यीकरण और तटस्थता शामिल है। क्रेमलिन ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने फ्रांसीसी नेता इमैनुएल मैक्रॉन से कहा कि रूस यूक्रेन में अपने सैन्य हस्तक्षेप के लक्ष्यों को प्राप्त करेगा, चाहे कुछ भी हो जाए।

फ्रांसीसी और रूसी राष्ट्रपतियों द्वारा फोन पर बात करने के बाद जारी एक बयान में, क्रेमलिन ने स्पष्ट किया कि उसके लक्ष्यों में यूक्रेन का विसैन्यीकरण और तटस्थता शामिल है। इसमें कहा गया है कि कीव द्वारा रूसी और यूक्रेनी अधिकारियों के बीच वार्ता में देरी करने के किसी भी प्रयास के परिणामस्वरूप मॉस्को पहले से निर्धारित मांगों की सूची में और आइटम जोड़ देगा।

बयान में आगे कहा गया है कि व्लादिमीर पुतिन ने कीव के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत में मौलिक दृष्टिकोण और शर्तों के बारे में विस्तार से बातचीत की। उन्होंने कहा कि वह चाहते हैं कि यूक्रेन नाटो की निकटता की जिद छोड़ दे और विसैन्यीकरण करे, तभी कोई बात हो सकती है। नाटो के साथ निकटता बढ़ाकर यूक्रेन ने रूस के लिए चिंताएं बढ़ा दी हैं, जिन्हें हम विशेष सैन्य अभियान के माध्यम से अपने अनुकूल करने का प्रयास कर रहे हैं। यूक्रेन में रूस का विशेष अभियान योजना के अनुसार चल रहा है।

रूसी सेना कीव पर बमबारी कर रही है, यह रूस विरोधी दुष्प्रचार अभियान का हिस्सा है। सच यह है कि रूसी सेना यूक्रेन के आम नागरिकों की रक्षा के लिए वह सब कुछ कर रही है, जो वह कर सकती है। रूस यूक्र

6 नगर पालिकाओं के कुल 17883 रिहायशी घरों की सीवर लाइन को मुख्य सीवर लाइन के साथ जोड़ने के 9.48 करोड़ के कार्यों को मंजूरी

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य की 6 नगर पालिकाओं के 17,883 रिहायशी मकानों की सीवर लाइन को मुख्य सीवर लाइन के साथ जोड़ने के लिए कुल 9.48 करोड़ रुपए के कार्यों को स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के अंतर्गत मंजूरी दी है। उल्लेखनीय है कि राज्य के नगरों में स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के अंतर्गत निजी सोसायटी जनभागीदारी योजना के तहत जनसुविधा के ऐसे कार्य किए जाते हैं। तद्नुसार, जनभागीदारी योजना के तहत मुख्य सीवर लाइन से नहीं जुड़े निजी सोसायटी के घरों को मुख्य सीवर लाइन से जोड़ने के लिए प्रति परिवार 7000 रुपए की सीमा में सहायता मिलने पात्र है। इस संबंध में शहरी विकास विभाग ने राज्य में कपड़वंज, सावली, देवगढ़ बारिया, चकलासी, बारेजा और छोटाउदेपुर नगर पालिकाओं की सोसायटियों के घरों की सीवर लाइन को मुख्य सीवर लाइन के साथ जोड़ने के विभिन्न प्रस्ताव मुख्यमंत्री के समक्ष रखे थे। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने नगरों में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प को साकार करने वाले इन प्रस्तावों को सैद्धांतिक अनुमति दी है। इसके परिणामस्वरूप अब कपड़वंज नगर पालिका क्षेत्र के 255 घरों की सीवर लाइन को मुख्य सीवर लाइन के साथ जोड़ने के लिए 7.78 लाख रुपए, सावली में 2757 घरों को मुख्य सीवर लाइन कनेक्शन देने के लिए 66.87 लाख रुपए, देवगढ़ बारिया नगर पालिका क्षेत्र के 1200 रिहायशी घरों के लिए 84 लाख रुपए, चकलासी नगर पालिका के 3574 घरों के लिए 1 करोड़ 23 लाख रुपए, बारेजा नगर पालिका के 1510 रिहायशी घरों के लिए 81.63 लाख रुपए तथा छोटाउदेपुर नगर पालिका क्षेत्र में स्थित सोसायटी के 8587 घरों की सीवर लाइन को मुख्य सीवर लाइन के साथ जोड़ने के लिए 5.85 करोड़ रुपए की ग्रांट आवंटित की जाएगी।

गुजशत में होने वाला डिफेंस एक्सपो स्थगित, श्क्षा मंत्रालय ने किया ऐलान

गांधीनगर, ४ मार्च ।

गुजशत में होने वाले डिफेंस एक्सपो में बड़ा अपडेट आया है । १०-१४ मार्च को होने वाला डिफेंस एक्सपो स्थगित कश दिया गया है । श्क्षा मंत्रालय के प्रवक्ता भाश्तभूषण बाबू ने घोषणा की है कि डिफेंस एक्सपो को फिलहाल के लिए स्थगित कश दिया गया है । उन्होंने ट्वीट किया कि १० से १४ मार्च तक गुजशत के गांधीनगश में होने वाले डिफेंस एक्सपो को लॉजिस्टिक समस्याओं के काशण स्थगित कश दिया गया है । जल्द ही नई ताशीख की घोषणा की जाएगी ।

कुछ लॉजिस्टिक काशणों से डिफेंस एक्सपो को स्थगित कश दिया गया है. लेकिन सूत्रों के मुताबिक रूस औश यूक्रेन के बीच हो श्हे युद्ध की वजह से डिफेंस एक्सपो को स्थगित कश्ने का फैसला लिया गया है । गुजशत में होने वाले भव्य डिफेंस एक्सपो को लेकश कई तैयाशियां जोशें पश चल श्ही थी । इसके लिए अहमदाबाद में सड़कों को बंद कश्ने की भी घोषणा कश दी गई थी । लेकिन अब ऐसा लग श्हा है कि युद्ध की स्थिति बहाल होने के बाद ही एक्सपो कब होगा इसकी घोषणा की जाएगी ।

गौश्तलब है कि साल २०२२ में गुजशत में कई बड़े कार्यक्रम श्द्द हो चुके हैं. वाइब्रेंट गुजशत कार्यक्रम औश अहमदाबाद का फ्लावश शो पिछले महीने कोशेना की तीसशी लहश के काशण श्द्द कश दिया गया था । उसके बाद भव्य डिफेंस एक्सपो का आयोजन होना था । लेकिन यूक्रेन औश रूस के बीच युद्ध छिड़ गया जिसकी वजह से इसे भी फिलहाल के लिए स्थगित कश दिया गया है ।

पीएम मोदी 12 मार्च को गुजरात आएंगे, गुजरात खेल महाकुंभ का कराएंगे प्रारंभ

अहमदाबाद (ईएमएस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी 12 मार्च को गुजरात आ रहे हैं वैश्विक महामारी के दो साल बाद गुजरात में होने जा रहे गुजरात खेल महाकुंभ का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्रारंभ कराएंगे 12 मार्च को अहमदाबाद के सरदार पटेल स्टेडियम से गुजरात खेल महाकुंभ का शुभारंभ होगा गुजरात खेल महाकुंभ के प्रारंभिक कार्यक्रमों को लेकर अहमदाबाद महानगर पालिका ने नवरंगपुरा स्थित सरदार पटेल स्टेडियम में तैयारियां शुरू कर दी हैं बीते दिन गुरुवार को गुजरात खेल महाकुंभ को लेकर महानगर पालिका में अधिकारियों की बैठक हुई थी जिसमें 12 मार्च के कार्यक्रम को लेकर रूपरेखा तैयार की गई और अलग अलग अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंप दी गई हैं खेल महाकुंभ के अहमदाबाद में प्रारंभ होने के चलता सरदार पटेल स्टेडियम में रंगरोगन, साफ-सफाई और सड़कों की मरम्मत समेत कार्यवाही तेज हो गई हैं 2010 में खेल महाकुंभ के लिए 16.50 लाख जितने खिलाडियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया था खेल महाकुंभ 2019 में 39.32 लाख खिलाडियों ने भाग लिया 2022 में 40 लाख खिलाडियों के खेल महाकुंभ में शामिल होने की संभावना हैं कोरोना की स्थिति को ध्यान में रखते हुए कोविड नियमों के पालन के साथ खेल महाकुंभ का आयोजन किया जाएगा खेल महाकुंभ में 29 जितने खेल होंगे दिव्यांग खिलाडियों के लिए 26 खेल होंगे खेल महाकुंभ में 4 आयु वर्ग के खिलाडी शामिल हो सकेंगे इसके विजेता खिलाडियों के लिए रु. 30 करोड़ के नकद पुरस्कारों का ऐलान किया गया हैं

मिशन अमानत अहमदाबाद मण्डल के RPF स्टाफ ने सोने के आभूषणों से भरे दो बैगो को यात्री को सौंपा

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल के समर्पित कर्मचारी अपने सम्माननीय ग्राहकों को सुखद और सुरक्षित यात्रा प्रदान करने के लिए हमेशा आगे रहते हैं। इसी क्रम में मण्डल रेल प्रवक्ता के अनुसार हाल ही में अहमदाबाद पोस्ट के एच्छ्ड्ड चेतन कुमार को कोनकोर्स हॉल में दो लावारिस बैग मिले। दोनों बैग को डिप्टी एस एस कार्यालय में लाकर खोल कर देखने पर लाल रंग के बैग से पहनने के कपड़े, 01 टायटन घड़ी, 03 नग सोने की चेन तथा अन्य कोस्मेटिक सामान तथा दूसरे ग्रे कलर के बैग को खोलने पर पहनने के कपड़े, 02 नग नेकलेस, 02 जोड़ी कान के टॉप्स, 01 नग पैर की पायल , 01 नग कटार पाया गया, बैग से एक मोबाईल नंबर मिला, जिस पर संपर्क करने पर अपना नाम जेमिश मनहर भाई गालिया उम्र- 22 वर्ष रहवासी मुख्य शेरी, इंगोरोला भावनगर का बताया गया । बैग के बारे में पूछने पर उसने बताया कि वह PNR नं. 8147180724 के तहत भोपाल से अहमदाबाद तक अपने परिवार के साथ यात्रा किया है तथा यात्रा के दौरान उनके पास कुल 25 से 30 बैग थे । अहमदाबाद रेलवे स्टेशन से जाते समय उक्त दोनों बैग वह प्लेटफॉर्म नं. 01 के पास कॉनकोर्स हॉल मे भूल जाना बताया । बाद में उस व्यक्ति को बुलाकर सामान की सत्यता की पुष्टि हो जाने के पश्चात दोनों बैग खोलकर दिखाने व सही सलामत पाये जाने पर उसका सामान सही सलामत सुपुर्द किया गया । यात्री द्वारा सामान की कीमत लगभग कुल 465000/- रु बताई गई। जिसे सही सलामत पुनःप्राप्त कर रेलवे का शुक्रिया अदा किया।

अहमदाबाद के मंडल डीआरएम श्री तरुण जैन तथा व.मंडल सुरक्षा आयुक्त एस एस अहमद ने संबंधित रेलकर्मी द्वारा की गयी त्वरित कार्यवाही, ईमानदारी और कार्य के प्रति समर्पण की सराहना की है।

अहमदाबाद मंडल के बहुप्रतीक्षित खोखरा ब्रिज (ROB) पर 92 मीटर का ओपन वेव गर्डर लांच किया गया

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर अभूतपूर्व खोखरा ब्रिज (ँ) पर 92 मीटर का ओपन वेव गर्डर सफलतापूर्वक, बिना किसी अड़चन और सुरक्षा व सावधानियों के साथ लॉन्चिंग का कार्य पूर्ण किया गया।

मुख्य परियोजना प्रबंधक अहमदाबाद श्री संजय गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि यह पश्चिम रेलवे का सबसे बड़ा ओपन वेव गर्डर (1045 मेट्रिक टन) भारी और 92 मीटर लंबा सिंगल स्पैन गर्डर है जिसे फरीदाबाद में निर्मित किया गया था । जिसे बिना ट्रेनों के संचालन को बाधित किए लॉन्च किया गया। इस तरह के गर्डर को लांच करने से पहले और इसके दौरान आने वाली विभिन्न समस्याओं को निपटान कर और प्रभावी ढंग से यह उल्लेखनीय कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। यह एक लोकेशन पर लॉन्च किए जाने वाले दो गर्डर में से पहला लॉन्चिंग है।

लॉन्चिंग के दौरान निपटाये गए कुछ मुद्दे अहम प्र–

बिना नोज के 18 मीटर के केंटीलीवर के साथ गर्डर का लॉन्चिंग करना।

गर्डर लॉन्चिंग के लिए अस्थाई का प्लान और डिजाइन तैयार करना

लॉन्चिंग के दौरान एलाइनमेंट को मेंटेन करने के साथ-साथ विंचेज का प्रॉपर मूवमेंट सुनिश्चित करना

कैंटीलीवर वाले हिस्से को पार करने के उपरांत पहले ब्रिज नोड की लैंडिंग बहुत मुश्किल थी जिसे सफलतापूर्वक किया गया।

विन्चेज का समकालीन मूवमेंट पर ध्यान रखते हुए सही तरीके एक समान गति से लांच करना।

इन सभी मुद्दों का निपटान करते हुए इस गर्डर लॉन्चिंग का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया।

१५ घंटे में ढाई साल की बच्ची को खोज निकाला

सूरत, ४ मार्च ।

सूश्त शहश के पांडेसश क्षेत्र में गुम हुई ढाई साल की बच्ची को पुलिस ने १५ घंटे में खोज निकाला । पांडेसश से ही पिछले ८ महीने में १११ बच्चे गायब हो चुके हैं औश पुलिस ने सभी को सकुशल खोजकश उनके माता-पिता को सौंप दिया । पुलिस की इस सफलता के पीछे उसके ह्यूमन औश टेक्निकल सोर्स हैं । पांडेसश पुलिस ने पिछले ८ महीने में १ से ५ साल तक के ६४ बच्चों को ढूंढा ।

वहीं, ६ से १० साल तक के २१ औश ११ से १५ साल तक के २१ बच्चे को खोजकश उनके माता-पिता को सौंपा । इसके अलावा १६ से १८ वर्ष तक की पांच लड़कियों को ढूंढ निकाला । पुलिस ने बताया कि बच्चों के गुम होने के मामले को गंभीश्ता से लिया जाता है । बच्चे का फोटो लेकश पोस्टश छपवाना, मुखबिशें से जानकाशी लेना, आसपास के घशें में सर्च कश्ना, सीसीटीवी कैमशे खंगालना औश लोगों से लाउड स्पीकश से घोषणा कश्ने जैसे तशीकों से बच्चों को खोज निकालते हैं । पांडेसश थाने के पुलिस इंस्पेक्टश अल्पेश चौधशी ने बताया कि बच्चे के गुम होने की जानकाशी मिल्ने के बाद हम उसकी फोटो लेकश तुशंत प्रिंट कश्वा लेते हैं । उसके आधाश पश पोस्टश छपवाते हैं । ये पोस्टश बच्चों के घश के आसपास के क्षेत्रों में चिपका देते हैं । पुलिस की टीम मौके पश भी जाकश बच्चे के बाशे में जानकाशी जुटाती है । उसके बाद आसपास के क्षेत्रों में लाउड स्पीकश से बच्चे के बाशे में घोषणा कश्ते हैं । हमाशी एक टीम सीसीटीवी कैमशे की जांच कश्ती श्हती है । कई बाश ऐसा होता है कि हमें २०० से २५० सीसीटीवी कैमशें की जांच कश्नी पड़ती है । कई बाश ८ से १० सीसीटीवी कैमशे की जांच में ही बच्चे मिल जाते हैं ।

बच्ची वडोद गांव स्थित साईं नगश के संजय बंसल औश उनकी पत्नी पूजा को बच्ची वडोद गांव के आंबेडकश चौक पश घूमते मिली । दंपती ने बच्ची के पश्विाश को खोजने की कोशिश, लेकिन वे सफल नहीं हो पाए । देश शत होने के काशण उन्होंने बच्ची को खाना खिलाकश सुला दिया था ।

पांडेसश के शास्त्री नगश में श्हने वाले भोला चौधशी की ढाई साल की बेटी बुधवाश शाम ७ बजे घश के पास खेलते-खेलते अचानक लापता हो गई । पश्जिनों ने खोजबीन की, लेकिन कहीं नहीं मिली । शत कशीब १० बजे पांडेसश पुलिस की पीसीआश वैन दिखी तो भोला चौधशी ने पुलिसकर्मियों से अपनी बेटी के गुम होने की जानकाशी दी । उसके बाद मामला पांडेसश थाने के प्रभाशी एपी चौधशी से होते हुए एसीपी तक पहुंच गया । पुलिस ने २०० सीसीटीवी कैमशे खंगाले । ४०० पोस्टश छपवाकश चिपकाए । लाउड स्पीकश से घोषणा की । ७०० से ज्यादा घशें में सर्च किया । पांडेसश, सचिन जीआईडीसी थाने की १५ टीमों के २५० पुलिस कर्मियों के अलावा क्राइम ब्रांच, एसओजी ने भी खोजबीन की । गुरुवाश सुबह बच्ची अपने घश से एक किमी दूश एक दंपती के पास मिली ।

पांडेसश पुलिस ने भेस्तान के उद्योग भाश्ती स्कूल में डे केयश सेंटश शुरू किया गया है । नौकशीपेशा माता-पिता सुबह ८:०० बजे से शत ८:०० बजे तक अपने बच्चों को इस डे केयश सेंटश में छोड़कश जा सकते हैं । इस डे केयश सेंटश में शिक्षकों की व्यवस्था की गई है, जो बच्चों को पढ़ाते हैं । यही नहीं बच्चों के खेलने औश खाने-पीने का भी पूश इंतजाम सेंटश में किया गया है । पुलिस ने बताया कि ८५ ऐसे बच्चे थे, जिनके माता-पिता ने गुमशुदगी की शिकायत की थी । उनकी शिकायत के आधाश पश इन बच्चों को पुलिस ने ढूंढ निकाला था औश उन्हें सौंप दिया था । वहीं २६ बच्चे लावाश्रिस हालत में पांडेसश के अलग-अलग इलाकों में मिले थे । बाद में पुलिस ने उनके माता-पिता को खोजकश उन्हें उन तक पहुंचाया ।

राज्य के 11 जिले और 1 कॉर्पोरेशन में कोरोना का एक भी एक्टिव केस नहीं

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात के 11 जिले और 1 कॉर्पोरेशन में कोरोना का एक भी एक्टिव केस नहीं हैं पिछले 24 घंटों में राज्यभर में केवल 96 नए मरीज सामने आए हैं और 237 ठीक होकर अपने घर लौट गए राहत की बात यह है कि आज कोरोना से कोई मौत नहीं हुआ राज्य में कोरोना से स्वस्थ होने का दर 99.02 प्रतिशत पर पहुंच गया हैं दूसरी ओर टीकाकरण अभियान भी मजबूती के साथ चल रहा है और अब तक 99.23 प्रतिशत लोगों को वैक्सीनेट किया जा चुका हैं स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटों में कोरोना के सबसे अधिक 38 केस अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में दर्ज हुए हैं वडोदरा कॉर्पोरेशन में 8, राजकोट कॉर्पोरेशन में 7, तापी में 5, अमरेली, आणंद, वडोदरा में 4-4, बनासकांठा, कच्छ, सूरत में 3-3, डांग, गांधीनगर, गांधीनगर कॉर्पोरेशन, मेहसाणा, सूरत कॉर्पोरेशन में 2-2, अहमदाबाद, भावनगर कॉर्पोरेशन, दाहोद, खेडा, नवसारी, सुरेन्द्रनगर और वलसाड में 1-1 कोरोना के मामले सामने आए जबकि अरवल्ली, भरुच, भावनगर, बोटाद, छोटाउदेपुर, देवभूमि द्वारका, गिर सोमनाथ, जामनगर, जूनागढ़, महीसागर, मोरबी, नर्मदा, पंचमहल, पाटन, पोरबंदर, राजकोट और पोरबंदर समेत 17 जिले और जूनागढ़ व जामनगर समेत 2 कॉर्पोरेशन में कोरोना का एक भी केस पिछले 24 घंटों में दर्ज नहीं हुआ जूनागढ़ कॉर्पोरेशन और 11 जिलों में कोरोना का एक भी सक्रिय मरीज नहीं हैं पिछले 24 घंटों में 237 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया राज्य में अब तक 1211087 लोग कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं जबकि 10934 मरीजों की कोरोना से जान जा चुकी हैं फिलहाल राज्य में कोरोना के 1109 एक्टिव मामलों में 1101 स्टेबल हैं और 8 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं आज राज्यभर में 99237 लोगों का वैक्सीनेशन किया गया जिसमें 18 वर्ष अधिक आयु के 8613 को पहला और 39839 लोगों को दूसरा डोज दिया गया 15 से 18 वर्षीय आयु के 2469 किशोरों को कोविड की पहली और 32722 को दूसरी वैक्सीन लगाई गई जबकि 15594 लोगों को प्रीकॉशन डोज दिया गया राज्य में अब तक 10 करोड़ 32 लाख 93 हजार 021 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका हैं

यूक्रेन से लौटे सूश्त के ३६ बच्चे, पोलैंड में जो भाई-बहन बिछड़ गए थे; वे सूश्त में आकश मिले

सूरत, ४ मार्च ।

यूक्रेन ३६ छात्र गुरुवाश शाम सूश्त पहुंचे । ये बच्चे जब सर्किट हाउस पहुंचे तो उनके माता-पिता फूट-फूट कश शेने लगे । यूक्रेन से लौटे सगे भाई-बहन ध्रुव औश कृशा ने भास्कश से बताया कि वे वहां बिछड़ गए थे औश अब सूश्त में मिल श्हे हैं । वे मूल रूप से सौशष्ट्र के हैं औश सूश्त में पूणागाम में श्हते हैं । उन्होंने बताया कि वे ११ दिसंबश २०२१ को यूक्रेन गए थे । वे टर्नपिल शहश में मेडिकल की पढ़ाई कश श्हे थे ।

युद्ध की चर्चा के दौशान शुरुआत में हमने सोचा कि यह सामान्य है औश जल्द सबकुछ ठीक हो जाएगा, स्थिति खशब हो गई । तीन दिन पहले कशीब हम ३०० लोग टर्नपिल से बस में बैठकश पोलैंड बॉर्डश पश पहुंचे थे । वहां लड़कियों को जाने दिया गया, लेकिन लड़कों को शेक लिया । वहां यूक्रेन के सैनिकों ने हमें डशया-धमकाया । सर्किट हाउस में पहुंचे जहां सभी पश्जिनों के चेहश पश खुशी दिखी । वहीं एक माता-पिता ऐसे थे, जिनकी बच्ची अभी भी यूक्रेन के सुमि शहश में फंसी है । रुबीना मिर्जा ने बताया कि मेशी बच्ची डुमसिया मिर्जा सुमि शहश में फंसी है । वहां से उसे कैसे लाया जाएगा कोई पता नहीं है । ध्रुव ने बताया कि बहन कृशा समेत सभी लड़कियां पोलैंड बॉर्डश से निकल गईं, लेकिन हम लड़के फंस गए । हम वहां से तीन किमी पीछे आए तो एक पेट्रोल पंप पश बस मिली, जो हमें दूसशे शस्ते से पोलैंड लेकश गई ।

किस्मत से जिस होटल में पहुंचे थे, वहां बहन भी थी । उसके बाद वहां से भाश्तीय वायुसेना के अलग-अलग विमानों से दिल्ली पहुंचे । दोनों के विमान के पहुंचने में एक घंटे का फर्क था ।

सर्किट हाउस आई रुबीना मिर्जा ने बताया कि मेशी बच्ची सुमि शहश में फंसी है । उससे आज ही वीडियो कॉल पश बात हुई । वहां बमबाशी हो श्ही है । मैं यहां इसलिए आई ताकि देख सकूं की बच्चे जब अपने घश लौटे हैं तो पश्जिनों को कितनी खुशी हो श्ही है । मेशी बच्ची के लिए प्रार्थना कशें ।

अहमदाबाद-योगनगरी ऋषिकेश योगा एक्सप्रेस ट्रेन का नरैना स्टेशन पर अस्थाई ठहराव

अहमदाबाद (ईएमएस) उत्तर पश्चिम रेलवे के नरैना स्टेशन पर अहमदाबाद-योगनगरी ऋषिकेश योगा एक्सप्रेस ट्रेन का दादू दयाल जी मेले के दौरान दिनांक 7 मार्च 2022 से 13 मार्च 2022 तक अस्थाई तौर पर स्टॉपेज प्रदान किया जा रहा है। जो इस प्रकार है।

- ट्रेन संख्या 19031 अहमदाबाद-योगनगरी योगा एक्सप्रेस ट्रेन का नरैना स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान का समय 2135/21:37 बजे रहेगा।
- ट्रेन संख्या 19032 योगनगरी ऋषिकेश-अहमदाबाद योगा एक्सप्रेस ट्रेन का नरैना स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान का समय 04:44/04:46 बजे रहेगा।

राजकोट मंडल द्वारा धूम्रपान निरोधक संरक्षा अभियान चलाया गया

अभियान के दौरान 167 व्यक्तियों से 6500 रुपये जुर्माने के रूप में प्राप्त किए गए

राजकोट रेल मंडल अपने यात्रियों को सुरक्षित और बेहतर यात्रा प्रदान करने के लिए सदैव प्रयासरत रहता है। इसी क्रम में राजकोट मंडल द्वारा 25 फरवरी से लेकर 3 मार्च, 2022 तक एक सप्ताह के लिए व्यापक धूम्रपान निरोधक संरक्षा अभियान चलाया गया है।

अधिक जानकारी देते हुए राजकोट डिविजन के सीनियर डीसीएम श्री अभिनव जेफ ने बतया कि इस धूम्रपान निरोधक संरक्षा अभियान के दौरान कुल 167 व्यक्तियों को पकड़ा गया तथा सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (ण्ध्क्ऊँ)-2003 के तहत जुर्माने के रूप में 6500/- रुपये वसूल किये गये। धूम्रपान करना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है तथा सार्वजनिक स्थानों पर सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (ण्ध्क्ऊँ)-2003 के तहत दंडनीय है। इस विषय में यात्रियों को जागरूक करने के लिए रेलवे स्टेशनों पर उद्घोषणा भी की जा रही है।

राजकोट मंडल रेल प्रबंधक श्री अनिल कुमार जैन ने यात्रियों से अपील की है कि वे रेल परिसरों और ट्रेनों में धूम्रपान करने से बचें और यात्रा को स्वयं के साथ-साथ अन्य यात्रियों के लिए भी सुरक्षित बनायें।

ज़ी टीवी के शो 'स्वर्ण स्वर भारत' के एक खास एपिसोड में आएंगे आचार्य स्वामी अवधेशानंद गिरी

ज़ी टीवी ने हाल ही में अपनी तरह के पहले भक्ति–गायन रियलिटी शो 'स्वर्ण स्वर भारत' के प्रीमियर के साथ सभी को चौंका दिया है। यह शो माननीय प्रधानमंत्री की अभिनव पहल 'आज़ादी का अमृत महोत्सव – भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ' के उपलक्ष्य में एक खास पहल है, जो हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का उत्सव मनाता है। असल में दर्शक भी इस शो का खूब लुत्फ उठा रहे हैं, जो उन्हें दोहों और भावपूर्ण भक्ति संगीत के माध्यम से सुनाई जाने वाली जानी–पहचानी सी कथाओं के जरिए उनकी जड़ों से जोड़ता है।

इस चैनल ने स्वर्ण स्वर भारत के मंच पर प्रेरणादायक आध्यात्मिक प्रस्तुतियों के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। इस शो में कई आध्यात्मिक गुरु पधार चुके हैं, जिन्होंने कंटेस्टेंट्स का हौसला बढ़ाया, और ऐसे में ये वीकेंड भी अलग नहीं होगा। अध्यात्म की दुनिया के सबसे जाने–माने गुरुओं में से एक स्वामी अवधेशानंद गिरी महाराज, जो हिंदू धर्म आचार्य सभा के अध्यक्ष और वर्ल्ड काउंसिल ऑफ रिलीजियस लीडर्स के बोर्ड मेंबर भी हैं, इस शो के आने वाले एपिसोड में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे।

विधानसभा में असंसदीय भाषा का उपयोग करने पर कांग्रेस विधायक 7 दिन के लिए सस्पैंड

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात विधानसभा में बजट सत्र के तीसरे दिन आज कांग्रेस विधायक पूजा वंश को 7 दिनों के लिए सदन की कार्यवाही से निलंबित कर दिया हैं गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी के खिलाफ असंसदीय भाषा का उपयोग करने पर विधानसभा अध्यक्ष ने यह कार्यवाही की पूजा वंश को सस्पैंड किए जाने के बाद कांग्रेस सदस्यों ने वॉक आउट किया गुजरात विधानसभा का बजट सत्र की शुरुआत ही हंगामे के साथ हुई थी, जो तीसरे दिन भी बरकरार रही आज प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक नौशाद सोलंकी और ऋत्विज मकवाणा ने अपने सवाल का उत्तर नहीं मिलने पर विरोध करते हुए सीट छोड़कर नीचे बैठ गए उस दौरान गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने कांग्रेस विधायकों की इस हरकत पर कहा कि ऐसी दादागिरी सदन में नहीं चलेगी हर्ष संघवी के बयान के बाद कांग्रेस विधायकों ने सदन में जबर्दस्त हंगामा शुरू कर दिया इस दौरान कांग्रेस विधायक पूजा वंश ने गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी के खिलाफ असंसदीय भाषा का उपयोग करने पर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने आ गए संसदीय मंत्री राजेन्द्र त्रिवेदी ने पूजा वंश को सस्पैंड करने की मांग की विधानसभा अध्यक्ष के कहने पर पूजा वंश ने अपने शब्द वापस ले लिए और कहा कि गृह राज्यमंत्री की बोडी लेंग्वेज और उनकी भाषा ठीक नहीं हैं इस मुद्दे पर सदन में करीब 10 मिनट तक दोनों पक्षों के बीच तीखी नोंकझोंक हुई गृह राज्यमंत्री के खिलाफ असंसदीय भाषा के उपयोग करने पर पूजा वंश को सदन की कार्यवाही से 7 दिनों के लिए सस्पैंड कर दिया गया भाजपा के मुख्य दंडक पंकज देसाई के पोइंट ऑफ ऑर्डर उठाने पर कांग्रेस विधायक परेश धानाणी ने इसका विरोध किया और कहा कि सरकार बहुमत के दम पर विपक्ष को टार्गेट कर रही हैं कांग्रेस के दंडक सीजे चावडा ने पूजा वंश के निलंबन का विरोध किया और कहा कि जब उन्होंने माफी मांग ली है तब इस मुद्दे पर चर्चा की कोई जरूरत नहीं हैं सरकार की यह मांग उचित नहीं हैं गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने इस मुद्दे पर कहा कि हम शायद नए सदस्य हैं और यहां सीखने की भावना के साथ आए हैं, ऐसे में पूजा वंश की भाषा उचित नहीं हैं हम उन्हें अपना वरिष्ठ मानते हैं मैंने किसी भी तरह की अशोभनीय भाषा या टिप्पणी नहीं की, इसकी जांच कर ली जाए पूजा वंश को सस्पैंड किए जाने के बाद कांग्रेस विधायक हंगामा करते हुए सदन से वॉक आउट कर गए

पशुओं के घर बैठे उपचार के लिए राज्यभर में 460 मोबाइल पशु अस्पताल कार्यरत : पशुपालन मंत्री

अहमदाबाद (ईएमएस) पशुपालन मंत्री राघवजी पटेल ने आज बताया कि घर बैठे पशुओं के उपचार के लिए राज्यभर में 460 मोबाइल पशु अस्पताल कार्यरत हैं राज्य विधानसभा में सुरेन्द्रनगर जिले में कार्यरत पशु अस्पताल के प्रश्न के प्रत्युत्तर में राघवजी पटेल ने बताया कि सुरेन्द्रनगर जिले में 20 पशु अस्पताल कार्यरत हैं, जिसके जरिए पिछले दो साल में 74656 पशुओं का उपचार किया गया हैं प्रति 10 गांव एक पशु अस्पताल योजना के अंतर्गत घर बैठे पशुओं को उपचार मुहैया कराने के लिए मोबाइल अस्पताल शुरू किए गए हैं और इस योजना को व्यापक प्रतिसाद मिल रहा हैं समग्र योजना के तहत अस्पताल जीवीके-ईएमआरआई द्वारा जीपीएस सिस्टम लैस की गई है, जिसका सीएम डेश बोर्ड द्वारा रियल टाइम मोनिटरिंग किया जाता हैं इस अस्पताल के जरिए रविवार को छोड़ सुबह 7 बजे से शाम 7 बजेक मुफ्त में पशुओं का उपचार किया जाता हैं इसके अंतर्गत 4500 से भी अधिक गांवों को लाभ मिल रहा हैं आपात स्थिति में पशुओं को उपचार मुहैया कराने के लिए सरकार ने 1962 टोल फ्री नंबर भी कार्यरत किया है, जिसके जरिए भी पशुओं का उपचार किया जाता हैं इस योजना में राज्य के सभी इलाकों का समावेश किया गया है और आदिजाति और पिछड़े इलाकों पर खास ध्यान दिया जाता हैं पशुपालन मंत्री ने कहा कि करुणा एम्ब्युलैंस के माध्यम से घायल या बीमार पक्षियों का उपचार कर उनकी जान बचाई जाती हैं उन्होंने पशु अस्पताल के महकमे की जानकारी देते हुए कहा कि जूनागढ़ जिले में पशु चिकित्सा अधिकारी वर्ग-2 के 27, ड्रेसर वर्ग-4 के 60 और चपरासी/अटेन्डन्ट वर्ग-4 के 20 पद हैं जबकि राजकोट जिले में पशु चिकित्सा अधिकारी वर्ग-2 के 28, ड्रेसर वर्ग-4 के 11 और चपरासी/अटेन्डन्ट वर्ग-4 के 15 पद हैं गुजरात सार्वजनिक सेवा आयोग द्वारा पशु चिकित्सा अधिकारी वर्ग-2 के 170 जितने पदों पर जल्द से जल्द भर्ती कर राज्य में पशु चिकित्सा व्यवस्था को अत्यधिक मजबूत बनाया जाएगा

गुजरात सरकार ने माना- दो साल में उद्योगों को 103.80 करोड़ वर्ग मीटर जमीन दी गई

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात विधानसभा में आज राज्य सरकार ने कबूल किया कि उसने पिछले दो साल में उद्योगों को बंजर या गौचर की 103.80 करोड़ जमीन बेची है या किराए पर दी हैं कांग्रेस विधायक के सवाल पर सरकार ने बताया कि कच्छ में सबसे अधिक 95.65 करोड़ वर्गर मीटर जमीन किराये पर या बेची गई हैं उद्योगों को सरकार ने प्रति दिन 14.22 लाख वर्ग मीटर से अधिक जमीन दी हैं उद्योगों को जमीन बेचने या किराए पर देने के सरकार के फैसले पर कटाक्ष करते हुए कांग्रेस विधायक ने कहा कि गरीबों के देने के लिए 50 या 10 वर्ग मीटर का भूखंड नहीं है और उद्योगों को लाखों वर्ग मीटर जमीन बांटी जा रही हैं विधानसभा में लैंड ग्रेबिंग एक्ट संशोधन विधेयक पेश किया गया राजस्व मंत्री राजेन्द्र त्रिवेदी ने कहा कि समयांतर इस विधेयक में संशोधन अनिवार्य हैं उन्होंने कहा कि अब तक 499 शिकायतें मिली हैं लैंड ग्रेबिंग एक्ट के तहत 99 एफआईआर दर्ज की गई हैं और 478 शख्सों के खिलाफ कार्यवाही कर 48 मामलों में चार्जशीट भी दाखिल कर दी गई हैं राजस्व मंत्री ने यह भी बताया कि इस कानून की वजह से 2863 बीघा सरकारी जमीन खाली कराई गई हैं

सरथाणा में पिता ने 10 साल की अपनी मासूम बेटी से किया दुष्कर्म, पुलिस ने किया गिरफ्तार

सूरत (ईएमएस) शहर के सरथाणा से मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म की चौंकाने वाली घटना सामने आई हैं जिसमें दुष्कर्मी और कोई नहीं 10 साल की मासूम बच्ची का पिता निकला दुष्कर्म पीड़ित बच्ची का सूरत के स्मीमेर अस्पताल में उपचार चल रहा है, दूसरी ओर पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की हैं सूरत के सरथाणा क्षेत्र के श्यामधाम मंदिर के निकट रहनेवाला युवक अपनी पत्नी के साथ 10 साल की बच्ची को लहुलूहान हालत में लेकर स्मीमेर अस्पताल पहुंचा जहां युवक ने डॉक्टर को बताया कि उसकी बेटी के साथ कोई अज्ञात शख्स दुष्कर्म कर फरार हो गया हैं बच्ची के गुप्तांग से लहू निकल रहा था, जिससे डॉक्टर ने तुरंत उसका उपचार कर दिया बच्ची के गुप्तांग में चोट लगने की वजह से डॉक्टर ने ऑपरेशन के बाद उसे आईसीयू शिफ्ट कर दिया दूसरी ओर सूचना मिलते ही पुलिस भी हरकत में आ गई और मामले की जांच शुरू कर दी देर रात पुलिस ने बच्ची के माता-पिता से पूछताछ की जिसमें दंपत्ति ने बताया कि वह दोनों काम पर गए थे, तब कोई अज्ञात शख्स उनके घर में घुस आया जहां अन्य दो बच्चों को घर से बाहर भेज दिया और उसके बाद मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म किया पुलिस ने पोक्सो के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी देर रात सरथाणा पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और आसपास लगे सीसीटीवी फूटेज खंगालने लगी जिसमें पीड़ित बच्ची के पिता की संदिग्ध हरकतें देख पुलिस ने उसे हिरासत में ले